राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 13 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-204 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखनऊ में सीएम आवास के पास युवक ने जहर खाया, मौत

लखनऊ। सीएम आवास से 100 कदम दूर जहर खाने वाले युवक की मौत हो गई है। वह शुक्रवार सुबह 9:20 बजे लामार्ट्स चौराहे पर पहुंचा। पुलिस को चिल्लाकर बताया- उसने जहर खा लिया है। पुलिसकर्मी युवक को लड़खड़ाता देखकर घबरा गए। उसे तुरंत सिविल हॉस्पिटल ले गए। वहां उसे एडमिट कराया। डॉक्टरों ने उसका ट्रीटमेंट शुरू किया। ढाई घंटे बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बुलंदशहर के तातारपुर के रहने वाले अजय के रूप में हुई। मरने से पहले अजय ने पुलिस को बताया था- वह बिजली विभाग से परेशान है। मजबूर होकर उसने सल्फास खा लिया। पुलिस के मुताबिक, अजय ने पूछताछ में बताया था- 2014 में आटा चक्की लगाई थी। कुछ महीने पहले ट्रांसफॉर्मर फुंक गया। उसने विभाग से शिकायत की तो ट्रांसफॉर्मर बदलवा दिया, लेकिन नया ट्रांसफॉर्मर एक घंटा भी नहीं चल पाया। दोबारा ट्रांसफॉर्मर जल गया तो बिजली विभाग के अफसरों ने अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला। वह बार-बार विभाग के चक्कर काट रहा। इसके बावजूद उसका काम नहीं हो पा रहा। विभाग के कर्मचारी उससे खर्चा मांग रहे।

सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ

समारोह में धनखड़ भी नजर आए, पीएम मोदी भी रहे मौजूद: सितंबर 2030 तक होगा कार्यकाल

नई दिल्ली। देश के नए उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में जीत हासिल करने वाले सीपी राधाकृष्णन ने आज यानी 12 सितंबर को पद की शपथ ग्रहण की। मंगलवार को हुए चुनाव में उन्होंने विपक्षी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में उन्हें कुल 452 वोट मिले थे। सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 67 वर्षीय राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीत था। 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद 9 सितंबर को नए उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव हुआ था। इससे पहले उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने राधाकृष्णन के इस्तीफे के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। देवव्रत अब दोनों राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभालेंगे। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण मध्यावधि चुनाव कराया गया। देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए सीपी राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की तक यात्रा असाधारण रही है। इस सफर की शुरूआत छात्र आंदोलन से हुई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव के बाद इसका विस्तार राष्ट्रीय फलक तक हुआ। संघ से सक्रिय राजनीति में आए सीपी राधाकृष्णन ने भाजपा में संगठन में लंबे समय तक काम किया। 2004 से 2007 तक वह तमिलनाडु प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे। इस दौरान 2007 में उन्होंने 93 दिनों में 19,000 किलोमीटर लंबी रथ यात्रा की। इसका मकसद देश की नदियों को जोड़ना, आतंकवाद का उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करना, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों के खतरों से निपटना था। 2020 से 2022 तक वह केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे। उन्हें संगठन और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ वाला नेता माना जाता है। विनम्र और सुलभ नेता की छवि रखने वाले राधाकृष्णन को उनके समर्थक तमिलनाडु का मोदी कहकर पुकारते हैं। ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आने वाले राधाकृष्णन की शादी सुमति से हुई है और उनके एक बेटा व एक बेटी हैं।

पीएम मोदी से मिलकर भावुक हुए धराली के आपदा प्रभावित

सुनाई तबाही की दर्दभरी कहानी, भावुक हुए पीएम मोदी

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड दौरे के दौरान जौलीग्रांट एयरपोर्ट के राज्य अतिथि गृह में उनसे मिलने पहुंचे धराली गांव के आपदा प्रभावित ग्रामीण बेहद भावुक हो गए। 5 अगस्त की उस भयावह आपदा में सब कुछ खो चुके इन लोगों ने प्रधानमंत्री के सामने अपने दर्द को साझा किया। पीएम से मिलने पहुंची कामेश्वरी देवी अपने जवान बेटे को खोने के दर्द से इस कदर टूट चुकी थीं कि कुछ कह भी नहीं पाईं। उनकी आंखों से लगातार आंसू बह रहे थे और वह सिर्फ इतना कह सकीं कि इस आपदा ने हमसे सब कुछ छीन लिया। परिवार का रोजगार तो गया ही साथ ही मेरा बड़ा बेटा आकाश भी चला गया। धराली से प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में ग्राम प्रधान अजय नेगी, बीडीसी प्रतिनिधि सुशील पंवार, महिला मंगल दल अध्यक्ष सुनीता देवी, और कामेश्वरी देवी शामिल थे। इन सभी ने नम आंखों और भरी आवाज में 5 अगस्त की तबाही का मंजर बयां किया। प्रधान अजय नेगी ने इस आपदा में अपने चचेरे भाई सहित कई साथियों को खो दिया, जबकि सुशील पंवार ने अपने छोटे भाई और उसके पूरे परिवार को खो दिया। महिला मंगल दल अध्यक्ष सुनीता देवी की तो जीवन भर की कमाई उनका घर, होमस्टे और बगीचे सब कुछ पल भर में जमींदोज हो गए। आपदा में लापता लोगों में सिर्फ कामेश्वरी देवी के बेटे आकाश का शव ही अब तक मिला है। ग्राम प्रधान अजय नेगी ने मीडिया को बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को गांव की हर तबाही की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। उन्होंने प्रधानमंत्री से धराली के पुनर्वास, लोगों को फिर से रोजगार देने और कृषि ऋण माफ करने की मांग की। प्रधान ने बताया कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और रोजगार के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर आपदा प्रभावित को हर संभव मदद दी जाएगी। यह मुलाकात दशार्ती है कि इस आपदा ने न सिर्फ संपत्ति का नुकसान किया है, बल्कि लोगों के दिलों पर भी गहरा घाव छोड़ा है। उत्तरकाशी के धराली में आई आपदा में 25 वर्षीय पुत्र समेत होटल, घर गंवा चुकी कामेश्वरी देवी ने जब खीरगंगा के रास्ते आई तबाही और सबकुछ खत्म होने की दास्तां सुनाई तो प्रधानमंत्री की आंखें भी छलछला उठीं। ऐसा एक नहीं कई बार हुआ। बागेश्वर के पौंसारी के महेश चंद्र ने भी अपने माता-पिता को आपदा में खो दिया था। उनकी आपबीती सुनकर भी प्रधानमंत्री भावुक हो उठे। पौड़ी जिले के सैंजी गांव के नीलम सिंह भंडारी ने गांव में छह अगस्त को भूस्खलन से हुई तबाही और गांव पर आए संकट को बयां किया। सभी प्रभावितों ने खुलकर अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री ने भी सभी को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। प्रधानमंत्री से मिले आश्वासन से प्रभावितों के मन में सुकून था कि वे अकेले नहीं हैं।

रेड टेप जूता कंपनी पर छापा

कानपुर। मशहूर लेदर इंडस्ट्री मिर्जा इंटरनेशनल के कानपुर दफ्तर समेत 50 ठिकानों पर इनकम टैक्स की टीमों ने छापा मारा। कानपुर में जाजमऊ, मालरोड और उन्नाव में 2 टेनरियों के साथ ही वीआईपी रोड स्थित उनकी कोठी पर भी टीम पहुंची। पूरे यूपी में 150 अफसर और कर्मचारी छापेमारी कर रहे हैं। टीम ने कर्मचारियों को टेनरी के अंदर ही रोककर उनके मोबाइल फोन ले लिए। लैपटॉप और कंप्यूटरों का डाटा चेक किया जा रहा है। टीमों ने आय-व्यय का ब्योरा, कच्चे और तैयार माल के स्टॉक का ब्योरा जुटाया। अफसरों की मानें, तो भारी मात्रा में बोगस पर्चेस और फर्जी बिलिंग मिली है। कंपनी के एमडी फराज मिर्जा और सूजा मिर्जा के साथ ही अन्य डायरेक्टर बोर्ड के सदस्यों से पूछताछ की गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा कि कितनी बड़ी टैक्स चोरी का मामला है।

सुप्रीम कोर्ट बोला: पटाखे देशभर में बैन होना चाहिए

दिल्ली-एनसीआर ही क्यों, पूरे देश को साफ हवा का हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किए गए मुख्य परिसर में फोटोग्राफी, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर बैन लगा दिया है। 10 सितंबर को जारी सर्कुलर में कोर्ट ने मीडियाकर्मियों के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। इस सर्कुलर के मुताबिक कम सुरक्षा वाले लॉन एरिया में ही इंटरव्यू और लाइव टेलीकास्ट कर सकेंगे। अगर मीडियाकर्मी दिशानिदेर्शों का उल्लंघन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के हाई सिक्योरिटी एरिया में उनकी एंट्री एक महीने के लिए बैन की जा सकती है। सुरक्षाकर्मियों के पास किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी सदस्य, वकीलों और आने वाले लोगों को इस जोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा। सर्कुलर के अनुसार हाई सिक्योरिटी एरिया के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आधिकारिक इस्तेमाल को छोड़कर, वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो लेने के लिए यूज होने वाले कैमरा, ट्राइपॉड, सेल्फी स्टिक भी इस एरिया में लाने पर प्रतिबंध रहेगा। इतना ही नहीं, किसी वकील, वादी, इंटर्न और लॉ क्लर्क भी अगर दिशानिदेर्शों का उल्लंघन करता है तो संबंधित बार एसोसिएशन, स्टेट बार काउंसिल अपने नियमों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन ने उखक बीआर गवई को लेटर लिखकर वकीलों और साइबर इंफ्लूएंसर्स के कोर्ट कैंपस में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने भी एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें सुप्रीम कोर्ट परिसर के भीतर वीडियोग्राफी, रील-मेकिंग और सोशल मीडिया कंटेंट मेकिंग में शामिल वकीलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई थी।

दिल्ली के बाद अब बॉम्बे हाईकोर्ट को बम की धमकी

लिखा- जुमे की नमाज के बाद बम फटेगा, दोनों कैंपस खाली कराए गए, तलाशी जारी

परिसर खाली कराया जा रहा

नई दिल्ली। दिल्ली के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मौके पर बम निरोधक दस्ता पहुंच रहा है। फिलहाल पूरे परिसर को खाली कराया जा रहा है। पुलिस चप्पे-चप्पे की तलाशी ले रही है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में बम की धमकी मिलने से वकीलों और न्यायाधीशों दोनों में ही दहशत फैल गई। न्यायाधीश अचानक उठकर खड़े हो गए। यह अफरा-तफरी एक ईमेल के बाद हुई, जिसके जरिए न्यायालय प्रशासन को उच्च न्यायालय पर हमले की धमकी मिली। इसके बाद पुलिस और अन्य एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक, यह ईमेल महापंजीयक को सुबह लगभग 8.39 बजे मिला और कुछ न्यायाधीशों को इसकी सूचना दी गई। दिल्ली हाईकोर्ट में जब न्यायाधीश कार्यवाही कर रहे थे, तभी उनके न्यायालय कर्मचारी आए और उन्हें बम की धमकी वाले ईमेल के बारे में बताया, जिसके बाद वे अदालत कक्षों से बाहर निकल गए। कुछ न्यायाधीश सुबह लगभग 11.35 बजे उठना शुरू हुए, जबकि अन्य दोपहर 12 बजे तक अपनी-अपनी अदालतें चलाते रहे। एक बम निरोधक दस्ता भी उच्च न्यायालय परिसर में पहुंचा। परिसर सुरक्षा बढ़ा दी गई और अदालत परिसर में मौजूद सभी लोगों को बाहर निकलने को कहा गया।सूत्रों के मुताबिक, ईमेल में कहा गया था कि दिल्ली उच्च न्यायालय में आज होने वाला विस्फोट पिछले झांसों के संदेह को दूर कर देगा और न्यायाधीशों के कक्ष दोपहर की इस्लामी नमाज के तुरंत बाद फट जाएंगे। ईमेल में कहा गया था कि न्यायाधीशों के कमरों और अदालत परिसर में तीन बम रखे गए हैं और सभी को दोपहर 2 बजे तक अदालत परिसर खाली कर देना चाहिए।

ईमेल की कॉपी में लिखा है....

एचसी स्टाफ,

एक स्मार्ट और गतिशील युवा शिया मुस्लिम डॉ. शाह फैसल ने कोयंबटूर में पाकिस्तान की आईएसआई सेल के साथ सफलतापूर्वक संपर्क स्थापित किया है ताकि आज पटना में 1998 के विस्फोटों को दोहराया जा सके। मूल बात यह है कि सेक्युलर पार्टियां परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर बीजेपी/आरएसएस का मुकाबला करती हैं। जब उत्तराधिकारी (राहुल गांधी, उदयनिधि) को सत्ता से रोका जाता है, तो वे फर के खिलाफ लड़ाई में रुचि खो देते हैं। आईईडी डिवाइस का स्थान और डिफ्यूजिंग कोड के लिए सत्यभामा सेनगोट्टयन से संपर्क करें। फोनः 98430*****। इस प्रकार सेक्युलर नेता के नए विकास को बनाने के लिए, समीकरण की बाधाओं को हटाया जाएगा, ताकि झूठे सेक्युलरिस्ट सत्ता से हट जाएं और केवल समर्पित सेक्युलरिस्ट ही पार्टी की सत्ता में आएं। हम प्रस्ताव करते हैं कि डॉ. एझिलान नागनाथन डीएमके की कमान संभालें और इस सप्ताह उदयनिधि स्टालिन के पुत्र इन्बानिधि उदयनिधि पर एसिड अटैक किया जाएगा। खुफिया एजेंसियों को अंदाजा भी नहीं होगा कि यह एक अंदरूनी मामला है। पुलिस के भीतर 2017 से गुप्त एजेंट/संपत्ति बोई गई है, इस पवित्र शुक्रवार के लिए। उदाहरण के तौर पर, आज दिल्ली उच्च न्यायालय में होने वाला विस्फोट पिछले झूठे दावों के संदेह को साफ कर देगा। जज के चैंबर में दोपहर की नमाज के तुरंत बाद विस्फोट होगा।

सिक्किम में कुदरत का कहर, भूस्खलन में चार की मौत और तीन अन्य लापता

गंगटोक। सिक्किम में एक बार फिर कुदरत का कहर टूटा है। सिक्किम में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत की खबर है और तीन अन्य लापता हैं। पुलिस और एसएसबी के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर दो महिलाओं को बचाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उनमें से भी एक की मौत हो गई है और दूसरी महिला की हालत गंभीर है। घटना पश्चिमी सिक्किम के यांगथांग क्षेत्र के ऊपरी रिम्बी इलाके में घटी, जहां मध्यरात्रि में हुए भूस्खलन हुआ। भूस्खलन की चपेट में आकर तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। भूस्खलन की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसएसबी जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर तुरंत बचाव अभियान चलाया। हालांकि घटनास्थल तक पहुंचने के लिए हुमे नदी को पार करना था, जिसमें पहले से ही बाढ़ आई थी। बचाव दल ने पेड़ की मदद से अस्थायी पुल बनाया और दो महिलाओं को बचा लिया। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरी महिला की हालत गंभीर है। एसपी गीजिंग शेरपा ने बताया कि तीन लोग लापता हैं।

'लोग डरते हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा?

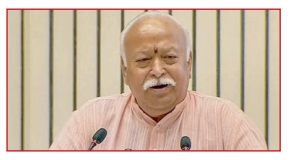

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना उन्हें आईना दिखाया। टैरिफ के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए भागवत ने कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति से डरते हैं। कुछ लोग सोचते हैं कि अगर भारत आगे बढ़ गया तो उनका क्या होगा। इसलिए वे टैरिफ का सहारा लेते हैं।मोहन भागवत ने कहा, 'लोगों को डर है कि अगर कोई और बड़ा हो गया तो उनका क्या होगा। अगर भारत बड़ा हो गया तो वे कहां रहेंगे? इसलिए उन्होंने टैरिफ लगा दिया। हमने कुछ नहीं किया। वे उसी को खुश कर रहे हैं, जिसने यह सब किया, क्योंकि अगर यह उनके पास है, तो वे भारत पर थोड़ा दबाव डाल सकते हैं। यह सब 'मैं और मेरा' के खेल में होता है। जब वे समझ जाते हैं कि 'मैं और मेरा' वास्तव में 'हम और हमारा' है, तो सभी मुद्दे समाप्त हो जाते हैं। आज दुनिया को एक समाधान की आवश्यकता है।'उन्होंने यह भी कहा कि कहा कि जब तक मनुष्य और देश अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता रहेगा।

मॉरिशस पीएम ने पत्नी संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए

षोडशोपचार विधि से अभिषेक किया, अयोध्या के लिए रवाना

वाराणसी। मॉरिशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने पत्नी के साथ शुक्रवार को वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। बाबा विश्वनाथ का षोडशोपचार विधि से अभिषेक भी किया। करीब आधे घंटे तक बाबा के दरबार में रहे। इसके बाद अयोध्या के लिए रवाना हो गए और रामलला का दर्शन करेंगे। वहां से दोपहर डेढ़ बजे वह दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इससे पहले, गुरुवार शाम को मॉरीशस पीएम दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए। उनके साथ पत्नी और 70 डेलीगेट्स भी थे। उन्होंने गंगा को पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया और पत्नी के साथ सेल्फी भी ली। मॉरीशस पीएम बुधवार शाम को काशी पहुंचे थे। गुरुवार को उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था- भारत और मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार हैं। यह सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है। वहीं, मॉरीशस ढट ने कहा था-वाराणसी पहुंचने पर मुझे और मेरी पत्नी को मिले स्वागत से हम आश्चर्यचकित रह गए। मेरा मानना है कि किसी भी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसा स्वागत कभी नहीं मिला होगा। मैं समझ सकता हूं कि आप इतनी बड़ी जीत कैसे दर्ज करते हैं। मॉरीशस पीएम 9 से 16 सितंबर तक भारत यात्रा पर हैं। वह तिरुपति बालाजी भी जाएंगे। इसके अलावा, मुंबई में एक व्यवसायिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इससे पहले, डॉ. रामगुलाम मई 2014 में भारत आए थे। तब वे प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने वाले इकलौते गैर-सार्क नेता थे। अयोध्या पहुंचने से पहले मॉरीशस पीएम के स्वागत के लिए जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मॉरीशस पीएम के स्वागत के लिए शुक्रवार सीएम योगी अयोध्या पहुंचे गए। वह एयरपोर्ट पर ही प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत करेंगे। यूपी के कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा- मॉरीशस के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। यूपी-बिहार के लोगों का भी वहां से अच्छा लगाव है। मॉरीशस पीएम के एडवाइजर विजय ने कहा- बहुत सालों के बाद ऐसा मौका मिला है कि हम इधर आकर दर्शन कर रहे हैं। बाबा के दर्शन करके मन को शांति मिली है। उन्होंने कहा- दोनों देशों का संबंध काफी पुराना है। मॉरिशस की फाइनेंस मिनिस्टर ज्योति ने कहा- वाराणसी का स्वागत एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी था। यहां की सरकार, प्रशासन ने मेरा दिल छू लिया। गंगा आरती का अनुभव बहुत अच्छा रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दक्षिण का द्वार भेदने की राधाकृष्णन कोशिश

उमेश चतुर्वेदी

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है।

जगदीप धनखड़ के औचक इस्तीफे से खाली हुए उपराष्ट्रपति पद को नया चेहरा मिल गया है। दक्षिण बनाम दक्षिण की जंग में तमिलनाडु बीजेपी का चेहरा रहे सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे। झारखंड की धरती से द्रौपदी मुर्मू की तरह उनका भी नाता रहा है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड के सर्वोच्च पद पर रही शख्सियतों के लिए सुनहरा दौर चल रहा है। झारखंड की राज्यपाल रहीं द्रौपदी मुर्मू देश के शीर्ष पर तीन साल पहले से ही काबिज हैं। देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी झारखंड के संवैधानिक प्रमुख के पद की शोभा बढ़ा चुके हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु की तीसरी शख्सियत हैं, जो उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने में कामयाब हुए हैं। इसके पहले तमिलनाडु के सर्वपल्ली राधाकृष्णन और आर वेंकटरमण उपराष्ट्रपति रह चुके हैं।

नरेंद्र मोदी के उभार के पहले तक बीजेपी की छवि ब्राह्मण-बनिया समुदायों की बुनियाद पर टिकी उत्तर भारतीय पार्टी की रही है। मोदी की राजनीतिक छाया में बीजेपी ने इस छवि को काफी हद तक तोड़ते हुए अखिल भारतीय राजनीतिक दल बन चुकी है। इसके बावजूद तमिलनाडु, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बीजेपी प्रभावी नहीं बन पाई है। इनमें भी तमिलनाडु पार्टी के लिए अब भी प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। पूर्व अधिकारी और तेज-तर्रार नेता अन्नामलाई के आक्रामक अभियान के चलते राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का समर्थक आधार दहाई के आंकड़े में पहुंच चुका है। बीते लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब साढ़े ग्यारह प्रतिशत और गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ करीब बीस प्रतिशत वोट मिला था। बीजेपी ही क्यों, राज्य में राजनीतिक और चुनावी कामयाबी हासिल करने वाले किसी भी दल के लिए इतना वोट नाकाफी है। शायद यही वजह है कि बीजेपी तमिलनाडु में अपना समर्थक आधार बढ़ाने के लिए प्रयोग-दर-प्रयोग कर रही है। सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना और उन्हें चुनाव जिताना उसी प्रयोग का विस्तार कहा जा सकता है।

सीपी राधाकृष्णन के सामने उपराष्ट्रपति के रूप में कुछ चुनौतियां जरूर रहेंगी। राधाकृष्णन कामचलाऊ हिंदी समझ तो लेते हैं, दो-एक लाइनें बोल भी लेते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में राधाकृष्णन की जिम्मेदारी राज्यसभा की कार्यवाही

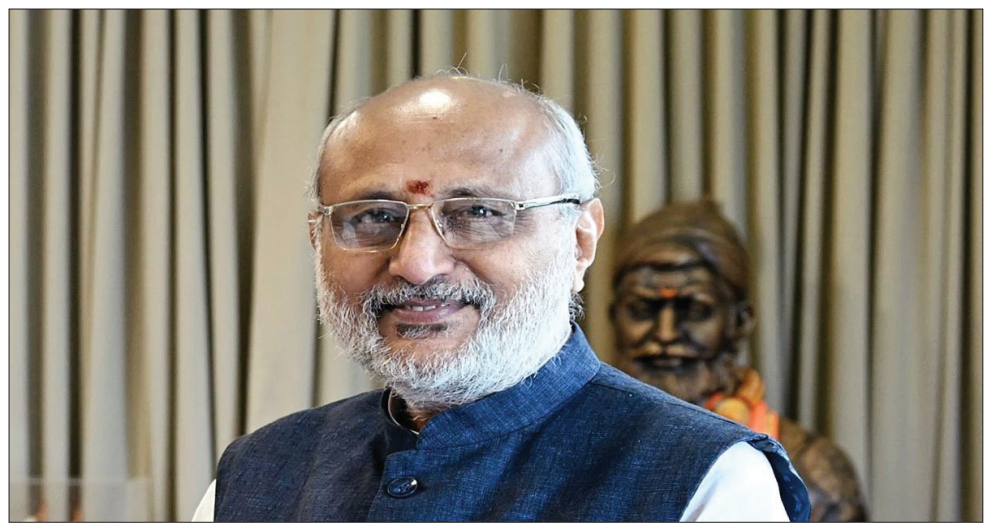

चलाना होगी। राज्यसभा में ज्यादातर सांसद हिंदीभाषी हैं और वे अपनी बात हिंदी में ही रखते हैं, हंगामा भी हिंदी में करते हैं और बहसें भी हिंदी में ही करते हैं। राधाकृष्णन को इन पर पार पाने के लिए मेहनत करनी होगी। वैसे वे कहते रहे हैं कि राजनीति में अखिल भारतीय छवि बनाने के लिए हिंदी बोलना जरूरी है। वे तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति की तरह हिंदी के विरोधी नहीं है। वे हिंदी सीखना भी चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब उन्हें कामचलाऊ से कुछ ज्यादा हिंदी तो सीखनी ही पड़ेगी।

मोदी और शाह की जोड़ी ने तमिलनाडु को साधने के लिए रणनीतिक तौर पर खूब कोशिशें की हैं। संसद के नए भवन में तमिल राजदंड के प्रतीक सेंगोल की स्थापना हो या फिर वाराणसी में तमिल-काशी संगम का आयोजन हो, तमिल जनमानस तक मोदी और बीजेपी की बैठ बढ़ाने की कोशिश का ही प्रतीक है। अक्टूबर 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत का दौरा किया था। उस वक्त जिनपिंग का मोदी ने तमिलनाडु के खूबसूरत पर्यटक स्थल महाबलिपुरम में स्वागत किया था। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल महाबलिपुरम तमिलनाडु के पल्लव राजवंश के दौरान विकसित भारतीय कला का प्रतीक है। इस मुलाकात को भी तमिलनाडु की जनता को साधने की बीजेपी और मोदी की कोशिश के रूप में देखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी का अरियलूर जिले के गंगैकोंड चोलपुरम का दौरा हो या यहां के नजदीक स्थित बृहदीश्वर मंदिर में पूजा अर्चना हो, सबका संदेश एक ही है, तमिलनाडु के दिलों में अपनी पैठ बनाना। ध्यान देने की बात यह है कि तमिलनाडु का चोल राजवंश बहुत प्रभावी रहा है। ग्यारहवीं सदी से लेकर तेरहवीं सदी तक गंगैकोंड चोलपुरम-चोल वंश की राजधानी रहा।

सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में बीजेपी का बड़ा चेहरा रहे हैं। 1998 और 1999 में कोयंबटूर से बीजेपी के सांसद रहे सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु में तमिल मोदी के तौर पर भी प्रसिद्ध हैं। इस नाते तमिलनाडु कह सकता है कि देश के शीर्ष पदों पर दो-दो मोदी हैं। राधाकृष्णन राज्य में पिछड़े वर्ग में शामिल गौंडर जाति से आते हैं। इस जाति का विस्तार विशेष रूप से तमिलनाडु के पश्चिमी इलाके में है। दिलचस्प यह है कि इस जाति के वोटर कन्नड़ ब्राह्मण महिला जे जयललिता की अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम के समर्थक माने जाते हैं। यह बात और है कि अन्नाद्रमुक की अगुआई कर रहे ई पलानिसामी और बीजेपी के फायरब्रांड नेता अन्नामलाई भी इसी बिरादरी के हैं। इस लिहाज से देखें तो सीपी राधाकृष्णन को बीजेपी ने शीर्ष पर बैठाकर गौंडर समुदाय को साधने की कोशिश की है। यह एक तरह से अन्नाद्रमुक को भी संकेत है। सीपी राधाकृष्णन के वैसे तो राज्य के तकरीबन हर दल के शीर्ष नेतृत्व से बेहतर संबंध है, लेकिन वे अन्नाद्रमुक के बेहद करीबी रहे हैं। 2010 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक ने उन्हें पार्टी में शामिल होने और चुनाव लड़ने का खुला आमंत्रण दिया था। अगर वे शामिल होते और चुनाव लड़ते तो तमिल सत्ता में उनकी हिस्सेदारी तय थी। लेकिन राधाकृष्णन ने अपनी प्रतिबद्धता नहीं तोड़ी। बहरहाल राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने के बाद अन्नाद्रमुक को एक तरह से साथ आने का भी संदेश है। क्योंकि बीजेपी को भी आभास है कि तमिलनाडु की राजनीति में शीर्ष स्थान पर अकेले पहुंचना फिलहाल संभव नहीं है।

आजादी के बाद से ही तमिलनाडु की राजनीति में पिछड़ा और दलित समुदाय का प्रभुत्व रहा है। तमिलनाडु की राजनीति में अगड़ा समुदाय एक तरह से किनारे पर आजादी के बाद से ही है। चूंकि बीजेपी की राज्य में सवर्ण जातियों की उत्तर भारतीय पार्टी की छवि है। तमिलनाडु में बीजेपी के उभार की बड़ी बाधा यह वजह भी रही है। गौंडर समुदाय के राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनाकर बीजेपी ने एक तरह से अपनी वह छवि तोड़ने की कोशिश की है। बेशक गौंडर समुदाय बहुत बड़ा नहीं है। लेकिन उसकी शख्सियत को देश के दूसरे सर्वोच्च पद पर पहुंचाकर मोदी-शाह की जोड़ी ने एक तरह राज्य के पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को संकेत दिया है कि बीजेपी उनकी वैचारिकी और सोच का सम्मान करती है। वह सवर्ण नहीं, सर्व समाज की पार्टी है। निश्चित तौर पर आज भारतीय जनता पार्टी का उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत में प्रभाव है। पारंपरिक और प्रचलित राजनीतिक नजरिए के लिहाज से वह उपराष्ट्रपति के सम्मानित पद पर देश के इन इलाकों के अपने किसी प्रतिबद्ध और प्रतिष्ठित कार्यकर्ता को पहुंचा सकती थी। लेकिन उसने ऐसा न करके तमिलनाडु के अपने कार्यकर्ता पर विश्वास जताया। यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि केरल की पिछली विधानसभा चुनाव के दौरान सीपी राधाकृष्णन केरल बीजेपी के प्रभारी थे। राधाकृष्णन जिस तिरूपुर इलाके से आते हैं और जिस कोयंबटूर के सांसद रहे हैं, वह केरल का नजदीकी है। इस लिहाज से मान सकते हैं कि बीजेपी ने उनके जरिए भगवान के अपने देश यानी केरल को भी साधने की कोशिश की है।

संपादकीय

बढ़ती-घटती दोस्ती

भारत और अमेरिका के बीच ट्रैरिफ वॉर के चलते अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जल्द मिलने और ट्रेड़ बैरियर खत्म करने की बात की है। ट्रंप ने सोशल मीड़िया प्लेटफार्म ट्रुथ पर लिखा, यह ट्रेड़ बैरियर खत्म करने के लिए बातचीत जारी है, और मैं अपने अच्छे दोस्त मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। कुछ ही घंटों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत व अमेरिका अच्छे दोस्त व स्वाभाविक सहयोगी हैं। मैं भी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने का इंतजार कर रहा हूं। दोनों देशों के बीच रूस से तेल खरीद के मुद्दे को लेकर टसल का नतीजा था कि ट्रंप ने भारत पर 50प्र. टैरिफ जड़ते हुए अमेरिका की नाराजगी जताई थी। इस कारण भारत का करीब पिच्चासी हजार करोड़. रुपये का निर्यात प्रभावित हो रहा है जिसमें मुख्यतः दवाएं, आभूषण, कपड़े, पेट्रोलियम, टेलीकॉम ड़िवाइस शामिल हैं। भारत भी अमेरिका से पेट्रोलियम, अंतरिक्ष यानों के कलपुर्जे, विमान, हीरे व कोयला आदि का आयात करता है। टैरिफ दोनों देशों के बाजार को झटका देने वाला है। मगर इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उथल-पुथल स्थायी नहीं हो सकती। ट्रंप जुबान के पक्के नहीं हैं, यह अमेरिकी विशेषज्ञ भी मानते हैं। उन्होंने रूस व चीन के राष्ट्रपति पुतिन व जिनपिंग के साथ मोदी को बीते हफ्ते देखने के बाद ट्रुथ पर पोस्ट किया था कि हमने भारत व रूस को चीन के हाथों खो दिया है। इसे देखते हुए आकलन लगाया गया कि ट्रंप इस तिकड़ी से घबरा रहे हैं। उनकी नरमी के पीछे अमेरिकी दिग्गजों का दबाव भी माना जा रहा है जिनके साथ बीते हफ्ते रात्रिभोज के दौरान ट्रंप की लंबी बातचीत हुई थी। दोनों देशों की तरफ से की गई द्विपक्षीय टिप्पणी तल्खी को मिटाने का संकेत है। रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति यूरोपीय संघ से अपील कर चुके हैं कि वह भारत और चीन पर सौ फीसद टैरिफ लगाए। विशेषज्ञों के अनुसार भारत-अमेरिका संबंध केवल टैरिफ के नजरिए से नहीं आंके जा सकते। इन संबंधों में बड़ी संख्या में प्रवासी भी हैं और प्रति वर्ष उच्च शिक्षा लेने जाने वाले छात्रों की भीड़. भी है। बेशक, यह आर्थिक झटका जोखिमपूर्ण है मगर मानव-श्रम, रोजगार, प्रतिभाओं और पुराने परिपक्व और बहुआयामी संबंधों का ख्याल रखते हुए खटास मिटाने में पहल करने के संकेत सकारात्मक साबित हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

क्या हैं आध्यात्मिक होने का अर्थ

यह प्रश्न किसी भी जिज्ञासु के मन में उठ सकता है कि हमें ठीक-ठीक ऐसा क्या करना चाहिए ताकि वह जो परम है, जो परमेश्वर है, वह मेरे जीवन में घटित हो सके? सदगुरु इसका उत्तर देते हैं कि अध्यात्म भीगी बिल्लियों के लिए नहीं है, क्या तुम समझ रहे हो? तुम अपने जीवन में और कुछ भी नहीं कर सकते हो, लेकिन सोचते हो कि मैं आध्यात्मिक हो सकता हूँ, ऐसा नहीं है। अगर तुम इस संसार के किसी भी काम को अपने हाथ में लेकर कर सकते हो, फिर तुम्हारे आध्यात्मिक होने की एक संभावना पैदा हो सकती है, अन्यथा नहीं। अगर तुम्हारे पास इस संसार के किसी भी काम को लेकर और अच्छी तरह से करने की शक्ति और साहस है, तब तुम संभवतः आध्यात्मिक हो सकते हो। यह उन लोगों के लिए नहीं है, जो कुछ भी नहीं कर सकते। अभी, पूरे देश के मन में यही बैठा हुआ है, संभवतः पूरे संसार के मन में, कि वे निकम्मे और नालायक लोग, आध्यात्मिक लोग होते हैं, क्योंकि वे तथाकथित आध्यात्मिक लोग वैसे ही हो गए हैं। वे लोग जो किसी भी चीज को करने के लायक नहीं हैं, वे बस यही करते हैं कि एक गेरुआ वस्त्र पहन कर और किसी मंदिर के सामने बैठ जाते हैं; उनका जीवन सँवर जाता है। यह अध्यात्म नहीं है, यह वर्दी पहनकर बस भीख माँगना है। अगर तुम्हें अपनी चेतना पर विजय प्राप्त करनी है, अगर तुम्हें अपनी चेतना के शिखर पर पहुँचना है, वहाँ एक भिखारी कभी नहीं पहुँच सकता। दो तरह के भिखारी होते हैं। गौतम बुद्ध तथा उस स्तर के लोग उच्चतम श्रेणी के भिखारी हैं। दूसरे सभी निपट भिखारी हैं। मैं तो कहूँगा कि एक सड़क का भिखारी तथा राजगद्दी पर बैठा हुआ एक राजा, दोनों ही भिखारी हैं। वे निरन्तर बाहर से कुछ माँग रहे होते हैं। सड़क का भिखारी हो सकता है कि पैसा, भोजन या आय माँग रहा हो। राजा हो सकता है कि किसी दूसरे राज्य पर विजय, खुशी या कुछ इस तरह की अनर्गल चीजें माँग रहा हो। क्या तुम देखते हो, हर व्यक्ति किसी न किसी चीज की भीख माँग रहा है: गौतम बुद्ध ने केवल अपने भोजन के लिए भिक्षा माँगी, शेष चीजों के लिए वे आत्मनिर्भर थे। दूसरे सभी लोग, बस एक ही चीज के लिए भीख नहीं माँगते, अपना भोजन भीख में नहीं माँगते, बाकी सभी चीजों के लिए भीख माँगते हैं। उनका पूरा जीवन ही भीख माँगना है। केवल भोजन अर्जित करते हैं। लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति, केवल भोजन के लिए भिक्षा माँगता है, अन्य सभी चीजें अपने भीतर से अर्जित करता है। जिस भी तरह से रहना तुम बेहतर मानते हो, उसी तरह से रहो।

नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर : नये भारत की नयी रफ्तार

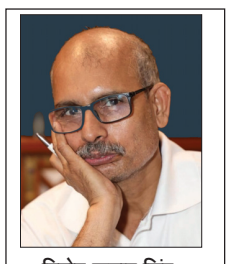

विनोद कुमार सिंह

नमो भारत दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर-अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है। नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है।यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय,तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का 'नये भारत' का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है।

भारत आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है,उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण हमें देश के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों में देखने को मिलता है। सड़कें, पुल, मेट्रो, हवाई अड्डे और अब रैपिड रेल-ये सब मिलकर 'नये भारत' की तस्वीर गढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में एक ऐतिहासिक परियोजना-नमो भारत दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिटसिस्टम(आरआरटीएस) कॉरिडोर-अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है।यह परियोजना केवल एक परिवहन सुविधा नहीं है,बल्कि भारत की बदलती सोच,आधुनिकता की दिशा में उठाए गए ठोस कदम और भविष्य की सतत (sustainable) विकास दृष्टि का प्रतीक है। दिल्ली- मेरठ की दूरी,अब मिनटों में दिल्ली और मेरठ के बीच लगभग 82 किलोमीटर का यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा विकसित किया गया है। इसे पूरी तरह आधुनिक तकनीक से बनाया गया है। इस रैपिड रेल की सबसे बड़ी विशेषता है इसकी अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा।जहाँ सड़क मार्ग से यह यात्रा 2 से 2.5 घंटे में पूरी होती थी, वहीं अब यह दूरी केवल 55 से 60 मिनट में पूरी हो जाएगी।यह समय बचत दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है। कॉरिडोर का लगभग 55 किलो मीटर लंबा हिस्सा पहले ही चालू कर दिया गया है। यह हिस्सा दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन से शुरू होकर मेरठ की सीमा पर स्थित मेरठ साउथ स्टेशन तक जाता है। शेष 27 किलोमीटर का हिस्सा - जिसमें दिल्ली में न्यू अशोक नगर से सराय खान तक और मेरठ में मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक का खंड शामिल है-उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल के अनुसार यह अंतिम खंड भी बहुत जल्द जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस परियोजना में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। यह निवेश केवल पटरियाँ बिछाने तक सीमित नहीं है,बल्कि इसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम,विद्युत आपूर्ति, अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष, यात्री सुविधाएँ, सुरक्षा इंतजाम और पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन शामिल हैं। ट्रेन के डिब्बों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इनमें वातानुकूलन, आराम दायक सीटें, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी,आपातकालीन बटन और दिव्यांगजन के लिए विशेष व्यवस्था मौजूद है।विगत जून माह में पूरे कॉरिडोर पर सफल ट्रायल रन किए गए।इन ट्रायल्स में निम्न पहलुओं की गहन जांच की गई: -गति और ब्रेकिंग सिस्टम, मोड़ पर स्थिरता आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता सिग्नलिंग और कंट्रोल सिस्टम, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षाइन सभी परीक्षणों के सफल होने के बाद यह प्रणाली वाणिज्यिक संचालन के लिए पूरी तरह तैयार मानी गई।इस परियोजना के शुरू होने से यात्रियों को होने वाले निम्न लाभ मिलेंगे।

1)समय की बचत -जहां पहले दिल्ली से मेरठ तक यात्रा में औसतन 2-2.5 घंटे लगते थे,अब यह यात्रा 55-60 मिनट में पूरी होगी। यह बचा हुआ समय लोग अपने काम,परिवार या विश्राम के लिए उपयोग कर सकेंगे।

2) धन की बचत -कार या बाइक से रोज सफर करने वालों का ईंधन खर्च घटेगा। वाहन की मरम्मत और रखरखाव की लागत भी कम होगी।

3) जाम से मुक्ति -अनुमान है कि इस परियोजना के पूरी तरह चालू होने के बाद प्रतिदिन एक लाख से अधिक कारें सड़क से हट जाएंगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर में जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी।

4)प्रदूषण पर नियंत्रण-वाहनों की संख्या घटने से वायु प्रदूषण में गिरावट आएगी।यह दिल्ली-एनसीआर के लिए एक बड़ी राहत होगी जो विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में गिना जाता है।

5) सुरक्षित और आरामदायक यात्रा वातानुकूलित डिब्बों,समय पर चलने वाली ट्रेन और उन्नत सुरक्षा इंतजामों के कारण यात्रा ज्यादा सुविधाजनक और भरोसेमंद होगी।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

व्यापारिक अवसरों में वृद्धि-दिल्ली और मेरठ के बीच माल और सेवाओं का आदान-प्रदान तेज होगा।

रियल एस्टेट में उछाल-मेरठ और आसपास के कस्बों में आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की मांग बढ़ेगी।रोजगार और शिक्षा में लाभ-मेरठ,गाजियाबाद जैसे शहरों के लोग दिल्ली में आसानी से काम और पढ़ाई के लिए आ-जा सकेंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच-दिल्ली के बड़े अस्पतालों तक पहुँचना आसान होगा,जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर मिल सकेंगी।

जनसंख्या का संतुलन-लोग दिल्ली से बाहर बसने के लिए प्रेरित होंगे, जिससे दिल्ली पर दबाव कम होगा।

पर्यावरण के लिए वरदान -बिजली से चलने वाली यह रैपिड रेल ऊर्जा दक्ष है। यह एक बार में बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा में परिवहन कर सकती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी और वायु गुणवत्ता सुधरेगी।

नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है। यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय,तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा

है। प्रधानमंत्री का 'नये भारत' का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है। एनसीआरटीसी भविष्य में दिल्ली-अलवर और दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर पर भी काम कर रहा है। इनके पूरा होने पर पूरा एनसीआर एक एकीकृत तेज रफ्तार रेल नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

इतनी बड़ी परियोजना में स्वाभाविक रूप से कई चुनौतियाँ आईं, जैसे भूमि अधिग्रहण के दौरान स्थानीय विरोध, कोरोना महामारी के कारण निर्माण कार्य में देरी आदि। परियोजना में कई तकनीकी और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी बाधाएँ थी, लेकिन एनसीआर टी सी ने इन सभी चुनौतियों का सफल समाधान किया और परियोजना को समय पर लगभग पूरा कर लिया।नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर केवल एक रैपिड रेल लाइन नहीं है, यह भारत की प्रगति, उसकी सोच और उसके भविष्य का प्रतीक है। यह लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला प्रोजेक्ट है।जब यह कॉरिडोर पूरी तरह चालू होगा,तो हम देखेंगे कि कैसे एक आधुनिक, तेज और सुरक्षित परिवहन प्रणाली केवल यात्रा ही नहीं,बल्कि पूरा सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य बदल सकती है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।)

मुद्दा : नौकरशाही की भूमिका

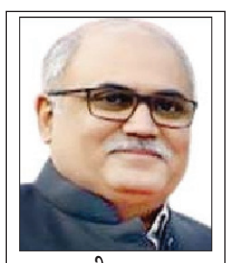

रजनीश कपूर

भारतीय नौकरशाही देश की शासन व्यवस्था की रीढ़ है। नौकरशाहों को अपने कार्यकाल के दौरान ऐसी गोपनीय जानकारी और दस्तावेज तक पहुंच प्राप्त होती है, जो देश की सुरक्षा, नीति निर्माण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से संबंधित होती हैं। ये दस्तावेज और जानकारी अक्सर संवेदनशील प्रकृति के होते हैं, जिनका सार्वजनिक खुलासा राष्ट्रीय हितोंङ्क कूटनीतिक संबंधों, या आंतरिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य उच्च पदों पर कार्यरत नौकरशाहों को जिम्मेदारी दी जाती है कि इस गोपनीयता का सम्मान करें और इसे अपने कार्यकाल के बाद भी बनाए रखें। हालांकि, कुछ सेवानिवृत्त नौकरशाह, विशेष रूप से असंतुष्ट या नाराज, अपने अनुभवों या जानकारी के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक करने का निर्णय लेते हैं। परिणामस्वरूप विवाद उत्पन्न होते हैं। सवाल उठता है कि क्या ऐसा करना नैतिक रूप से उचित है? क्या इसमें कोई अपवाद हो सकते हैं? उल्लेखनीय है कि भारतीय नौकरशाहों को अपने कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए गोपनीयता की शपथ लेनी पड़ती है, जो न केवल उनके कार्यकाल के दौरानङ्क बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी लागू रहती है। हालांकि, देखा गया है कि कुछ नौकरशाह, विशेष रूप से वे जो अपने कार्यकाल के दौरान किसी कारण से असंतुष्ट रहे हों, सेवानिवृत्ति के बाद अपनी आत्मकथाओं, साक्षात्कारों, या लेखों के माध्यम से ऐसी जानकारी साझा करते हैं, जो पहले गोपनीय मानी जाती थी। ये खुलासे अक्सर सनसनीखेज होते हैं, और राजनीतिक, सामाजिक, या प्रशासनिक विवादों को जन्म देते हैं।

यह एक जटिल सवाल है कि क्या सेवानिवृत्त नौकरशाहों का गोपनीय जानकारी साझा करना उचित है? नौकरशाहों का कर्त्तव्य है कि गोपनीयता की शपथ का पालन करें। इस शपथ का उल्लंघन न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। यदि नौकरशाह सेवानिवृत्ति के बाद संवेदनशील जानकारी साझा करने लगें तो इससे भविष्य में सरकार और नौकरशाहों के बीच विश्वास की कमी हो सकती है। ऐसे खुलासे अक्सर व्यक्तिगत नाराजगी या बदले की भावना से प्रेरित होते हैं जिससे उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठता है। यदि कोई नौकरशाह अपने कार्यकाल के दौरान किसी नीति या निर्णय से असहमत था, तो सेवानिवृत्ति के बाद उसका खुलासा करना व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने जैसा प्रतीत हो सकता है।

कुछ लोग तर्क देते हैं कि यदि कोई नौकरशाह ऐसी जानकारी का खुलासा करता है जो सार्वजनिक हित में हो, जैसे कि भ्रष्टाचार, शक्ति का दुरु पयोग या मानवाधिकारों का उल्लंघन, तो इसे उचित ठहराया जा सकता है। जैसे कि यदि कोई नौकरशाह देखता है कि किसी नीति या निर्णय से देश को गंभीर नुकसान हुआ है और वह इसे सार्वजनिक करने का निर्णय लेता है ताकि भविष्य में सुधार हो सके तो इसे नैतिक रूप से उचित माना जा सकता है। ऐसे मामलों में, खुलासा करने का उद्देश्य व्यक्तिगत लाभ या बदला लेना नहीं, बल्कि समाज और देश के हित में होता है।

क्या हर परिस्थिति में गोपनीयता का पालन अनिवार्य है, या कुछ अपवाद भी हो सकते हैं? कुछ विशेष परिस्थितियों में नौकरशाहों के खुलासे को नैतिक रूप से उचित माना जा सकता है। कुछ मामलों में नौकरशाहों को कानूनी रूप से संरक्षित किया जाता है, यदि वे व्हिसलब्लोअर के रूप में कार्य करते हैं। भारत में व्हिसलब्लोअर्स प्रोटेक्शन एक्ट, 2014, भ्रष्टाचार या अनैतिक गतिविधियों को उजागर करने वालों को कुछ हद तक संरक्षण प्रदान करता है। हालांकि, इस कानून के तहत सुरक्षा सीमित है, और सेवानिवृत्त नौकरशाहों के लिए इसका उपयोग जटिल हो सकता है। कुछ मामलों में, सेवानिवृत्त नौकरशाह ऐतिहासिक घटनाओं या नीतियों के बारे में जानकारी साझा करते हैं, जो अब गोपनीय नहीं है, और जिनका खुलासा समाज के लिए शिक्षाप्रद हो सकता है। जैसे कि स्वतंत्रता के बाद की

नीतियों या कूटनीतिक निर्णयों के बारे में जानकारी इतिहासकारों और नीति निमार्ताओं के लिए उपयोगी हो सकती है। इस मुद्दे को संतुलित करने के लिए, सरकार को व्हिसलब्लोअर संरक्षण को और मजबूत करना चाहिए ताकि नौकरशाह अपने कार्यकाल के दौरान ही गलत कार्यों को उजागर कर सकें। वो भी बिना किसी डर के। सेवानिवृत्त नौकरशाहों के लिए भी स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए कि किन परिस्थितियों में जानकारी साझा की जा सकती है। अंततः, नौकरशाहों को समझना होगा कि उनकी जिम्मेदारी देश और जनता के प्रति है, न कि व्यक्तिगत हितों या नाराजगी के लिए। गोपनीयता और पारदर्शिता के बीच संतुलन बनाए रखना ही एक मजबूत और विश्वसनीय प्रशासन की कुंजी है।

(लेख में विचार निजी हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इत्र उत्पाद बन सकते हैं वैश्विक ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र न केवल नवाचार को प्रोत्साहित करता है, बल्कि रोजगार सृजन में भी अहम योगदान दे रहा है। साथ ही स्थनीय और क्षेत्रीय विकास को मजबूती प्रदान कर रहा है। देशभर में एमएसएमई के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, फाइनेंस तक आसान पहुंच, सप्लाई चेन का आधुनिकीकरण, निर्यात क्षमता, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से विचार-विमर्श के लिए अमर उजाला एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है।

कॉन्क्लेव का उद्देश्य

इस कॉन्क्लेव में चर्चा का मुख्य फोकस भविष्य की फंडिंग व्यवस्था, मार्केटिंग और ब्रांडिंग की नई रणनीतियां, उभरती तकनीकें, नवाचारी वित्तीय विकल्प, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर होगा। इसके साथ ही महिलाओं की भागीदारी, भारतीय एमएसएमई के वैश्विक विस्तार और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उपाय भी एजेंडा में शामिल रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को और मजबूत बनाना है ताकि वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम हो सके। ओडीओपी योजना के जरिए हर जिले के खास उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रांड के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत की सुगंध राजधानी है कन्नौज

भारत की सुगंध राजधानी है कन्नौज

भारत में सुगंध और हस्तशिल्प के क्षेत्र में कन्नौज को विशेष स्थान प्राप्त है। यह जिला परफ्यूम, अत्तार, और एसेंशियल ऑयल्स के उत्पादन के लिए जाना जाता है। साथ ही कानपुर से सट्टे होने की वजह से लेदर प्रोडक्ट्स और फुटवियर क्षेत्र में भी कन्नौज की स्वस्थ्य इकाइयों की अहम भूमिका है। सरकार ने एमएसएमई योजना के तहत कन्नौज में सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी), परफ्यूम पार्क (यूपीएसआईडीसी), ओडीओपी, बाजार विकास सहायता योजना शुरू की गई है। इनमें सुगंधको, अजमल परफ्यूम जैसे बड़े ब्रांड निकल कर आए हैं।

कई चुनौतियों से जूझ रहा कन्नौज का उद्योग

हालांकि, कन्नौज का एमएसएमई सेक्टर पर्यावरणीय अनुपालन और निर्यात मांग में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। इन कठिनाइयों के बावजूद, क्षेत्र की स्वस्थ्य इकाइयां लगातार नए उत्पाद विकसित कर रही हैं और रोजगार के अवसर सृजित कर रही हैं। कन्नौज का पारंपरिक इत्र उद्योग, जिसे कभी भारत की सुगंध राजधानी कहा जाता था, आज कई मोर्चों पर संकट का सामना कर रहा है। प्राकृतिक इत्र की जगह तेजी से बढ़ती सिंथेटिक सुगंधों ने इसकी मांग को प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में सस्ते और आसानी से उपलब्ध कृत्रिम परफ्यूम कन्नौज के कारीगरों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। इसके अलावा, इत्र निर्माण के लिए आवश्यक फूलों और प्राकृतिक तत्वों की आपूर्ति पूरी तरह मौसम और जलवायु पर निर्भर है। असमय बारिश, तापमान में बदलाव और फसलों की घटती पैदावार ने कच्चे माल की लागत और उपलब्धता दोनों पर असर डाला है।

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स का शेयर 66.7 प्रतिशत गिरा!

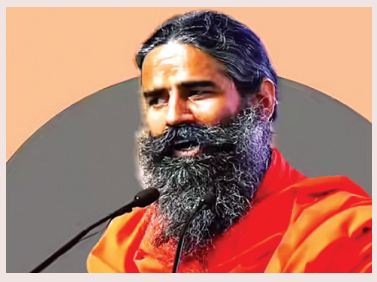

नई दिल्ली, एजेंसी। बाबा रामदेव से जुड़ी कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर गुरुवार को 66.7 प्रतिशत गिर गए। लेकिन निवेशकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह गिरावट कंपनी द्वारा हाल ही में जारी किए गए 2:1 बोनस शेयर के कारण है। इसके कारण शेयर बाजार में यह तकनीकी बदलाव हुआ है। जिस निवेशक के पास पहले से कंपनी का एक शेयर था, उसे दो शेयर और मुफ्त में मिले हैं। कंपनी ने 11 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की थी। उसके बाद यह बदलाव हुआ। दोपहर 12.20 यह 1.02 प्रतिशत तेजी के साथ 594.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। बोनस शेयरों के बाद अब पतंजलि फूड्स के शेयरों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। इसलिए शेयर की कीमत भी उसी अनुपात में गिर गई है। इससे कंपनी के बाजार मूल्य या निवेशकों के पैसे पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मान लीजिए आपके पास पहले 3,000 रुपये का एक शेयर था। बोनस शेयर मिलने के बाद अब आपके पास 1,000 रुपये के तीन शेयर हैं। आपके निवेश की कुल कीमत अभी भी 3,000 रुपये ही है। यह जो कीमत में बदलाव हुआ है, वह सिर्फ मैथमेटिकल है। इसका कंपनी के कामकाज से कोई लेना-देना नहीं है। अक्सर बोनस शेयर जारी करना इस बात का संकेत है कि कंपनी के मालिक भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद कर रहे हैं। इससे शेयर बाजार में कंपनी के आसानी से खरीदे और बेचे जा सकेंगे। साथ ही, छोटे निवेशकों के लिए भी शेयर खरीदना आसान हो जाएगा। पिछले एक साल में पतंजलि फूड्स के शेयर 6.75 प्रतिशत गिरे हैं। इस साल इसमें 0.32 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई है। हालांकि पिछले छह महीनों में शेयर 3.00 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 6.84 प्रतिशत बढ़ा है। लेकिन पिछले एक महीने में इसमें 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई है

मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड को अपने बैटरी संचालित सामान वाहन मुशक ईवी के निर्माण की मंजूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। मर्क्यूरी ईवी टेक लिमिटेड जो इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में अग्रणी स्थान रखता है और व्यापक श्रेणी के ईवी का निर्माण करता है, ने घोषणा की है कि उसे मुशक ईवी (बैटरी संचालित 4-व्हीलर गुड्स कैरियर एवं के निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई है। मुशक ईवी की विशेषता इसका अनब्रेकेबल बॉडी है, जो मजबूती और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह पूर्णत- 'मेक इन इंडिया' उत्पाद है और पूरी तरह भारत में निर्मित है, जिससे देश के स्थानीय उद्योगों को समर्थन मिलेगा। साथ ही, यह आगामी सरकारी सब्सिडी के लिए भी पात्र है। यह स्वीकृति कंपनी के लिए एक बड़ा कदम है, जो राजस्व और विस्तार के नए अवसर खोलेगा। उपभोक्ता आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह लॉन्च मार्केट-ड्रिवन है और व्यवसाय को गति हाल ही में कंपनी को गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और कोरिया स्मार्ट ई-मोबिलिटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की बैठक में आमंत्रित किया गया। बैठक का उद्देश्य भारत और कोरिया के बीच इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और लिथियम-आयन बैटरी के विकास हेतु तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान था।
बी ई-मोबिलिटी के चेयरमैन श्री ड्युक-उन ली, भारत में केइएमए के प्रतिनिधि प्रो. जंग-सुक रयो, इंडोनेशिया के प्रतिनिधि श्री सु चांग ओह और केइएमए के प्रबंध निदेशक डॉ. इम की सियो उपस्थित हुए।

टाटा प्ले पर देखिए अब टाटा प्ले आराधना के साथ ही टाटा प्ले भक्ति संगीत भी

मुंबई, एजेंसी। देश में मनोरंजन की दुनिया में अपनी एक विशेष पहचान के साथ टाटा प्ले ने अपनी आध्यात्मिक पेशकशों का विस्तार करते हुए टाटा प्ले भक्ति संगीत की शुरुआत की है। यह 24/7 संगीत सेवा टाटा प्ले आराधना के अंतर्गत पेश की गई है। टाटा प्ले आराधना के उपभोक्ता 9 सितंबर से टाटा प्ले भक्ति संगीत का आनंद ले सकेंगे, जो उन्हें संपूर्ण भक्ति का एक समृद्ध अनुभव प्रदान करेगा। टाटा प्ले भक्ति संगीत पर मंत्रों, जाप, भजन, कीर्तन, आरती, स्तोत्र, कथा आदि के साथ आध्यात्मिक संगीत का एक विस्तृत संग्रह उपलब्ध होगा। यह शंकर महादेवन, अनूप जलोटा, अनुराधा पौड़वाल, सुरेश वाडेकर एवं अन्य प्रतिष्ठित कलाकारों की आवाज में प्रार्थना, ध्यान और दैनिक पूजा के लिए एक अनुकूल और भक्तिमयी वातावरण प्रदान करेगा। भक्त पौराणिक महाकाव्य, जैसे रामायण, महाभारत आदि देख सकते हैं।

एसरी इंडिया और ध्रुवास्पेस ने स्पेस-पावर्ड सॉल्यूशंस के साथ

जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस में परिवर्तन लाने के लिए गठबंधन किया

हैदराबाद, एजेंसी। भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर एवं सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने एडवांस्ड जीआईएस इंटीग्रेशन के जरिए भारत में सैटेलाइट इमेजरी की उपलब्धता एवं पहुंच बढ़ाने के लिए हैदराबाद स्थित ध्रुवास्पेस के साथ सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। ध्रुवास्पेस एक फुल-स्टैक स्पेस टेक कंपनी है। इस रणनीतिक साझीदारी के जरिए ध्रुवास्पेस ऑप्टिकल, एसएआर, आरएफ व हाइपरस्पेक्ट्रल सेंसर्स में फैले हुए 200 से अधिक सैटेलाइट्स के एक तारामंडल नेटवर्क से डेटा एकत्रित कर उसे एक एकीकृत पारितंत्र में डालने वाले अपने एस्ट्राव्यू कॉमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी सेवा का

विस्तार करने के लिए एसरी इंडिया के एडवांस्ड आर्कजीआईएस टेक्नोलॉजी का उपयोग करेगी। इस गठबंधन का लक्ष्य एक एकीकृत सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्रदान करना है जिससे ग्राहक एसरी की जबरदस्त जीआईएस क्षमताओं के साथ ही एस्ट्राव्यू की कार्य योग्य अंतर्दृष्टि तक सहजता से पहुंच सकें और उनका विश्लेषण कर सकें। एसरी इंडिया और ध्रुवास्पेस के बीच गठबंधन से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल में अंतरिक्ष आधारित डेटा का उपयोग करने के लिए नए द्वार खुलने की संभावना है जिससे नवप्रवर्तन को बढ़ावा मिलेगा और जियोस्पैटियल इंटेलिजेंस एवं अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता पर जोर दे रहे भारत को सहयोग मिलेगा। एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, ध्रुवास्पेस के साथ यह साझीदारी अति आधुनिक सैटेलाइट इमेजरी क्षमताओं को भारत में जीआईएस यूज़र्स के करीब लाएगी। यह भारत के जियोस्पैटियल पारितंत्र को मजबूती देने स्पेसटेक क्षेत्र में देशज नवप्रवर्तन में सहयोग करने की हमारी सतत प्रतिबद्धता दर्शाती है।

आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर को खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कई ऐसी कंपनियां हैं जिनके शेयर पेनी कैटेगरी में आते हैं। ऐसा ही एक पेनी शेयर-टेक्सटाइल कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज का है। कंपनी के शेयर में बुधवार को तूफानी तेजी देखी गई। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को यह शेयर 18.12 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले करीब 4 पर्सेंट बढ़कर 19.34 रुपये तक पहुंच गया। अप्रैल 2025 में यह शेयर 13.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया था।

भारत-अमेरिकी के बीच व्यापार वार्ता सफल होने की उम्मीद फिर से बंधने से बाजार में तेजी रही। इसका असर आलोक इंडस्ट्रीज पर भी पड़ा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में आई कड़वाहट दूर होने का संकेत दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के किसी सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी और वह आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत करने को उत्सुक हैं। इसके जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 'एक्स' पर लिखा कि दोनों देशों के बीच जारी बातचीत उनके बीच साझेदारी की असीम संभावनाओं को सामने लाने का रास्ता साफ करेगी। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास प्रमोटर की हिस्सेदारी 75 फीसदी है।

पेप्सिको इंडिया और एफआईसीएसआई ने मप्र में, महिला नेतृत्व वाले

मिलेट प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया

सिंगरौली, एजेंसी। समावेशी विकास और घरेलू सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत पेप्सिको इंडिया ने एफआईसीएसआई (फूड इंडस्ट्री कैपेसिटी एंड स्किल इनिशिएटिव) के सहयोग से मध्य प्रदेश में रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की. पेप्सिको इंडिया की 'पार्टनरशिप ऑफ प्रोग्रेस'

फिलॉसफी से जुड़ा यह उपक्रम राज्य के पांच जिलों सिंगरौली, सीधी, रीवा, शहडोल और सतना की 2,000 ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाने का लक्ष्य रखता है. कार्यक्रम के उद्घाटन में ग्राम प्रधान श्री दीपक कुमार पांडेय और रोजगार सहायक श्री रमेश कुमार साह उपस्थित रहे. उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र की महिलाओं के लिए सतत कृषि और आत्मनिर्भर आजीविका को और आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी. भारत सरकार के मिलेट की खेती और खपत को बढ़ावा देने पर केंद्रित प्रयासों के अनुरूप, यह संरचित कार्यक्रम मिलेट प्रोसेसिंग के लिए भविष्य के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने में योगदान देगा. इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप महत्वपूर्ण कौशल प्रदान किए जाएंगे और उन्हें एफआईसीएसआई द्वारा 'मिलेट प्रोडक्ट्स प्रोसेसर' के रूप में प्रमाणपत्र मिलेगा. प्रशिक्षण में सुरक्षित खाद्य संचालन, स्वच्छता, उत्पाद विकास और उद्यमिता जैसी क्षमताओं को शामिल किया गया है, जिससे महिलाएं मिलेट प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन की प्रमुख योगदानकर्ता बन सकेंगी.

फ्लिपकार्ट ने फैशन स्पॉटलाइट को लॉन्च करने की घोषणा

मुंबई, एजेंसी।
2025 के त्योहारी सीजन से पहले भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फैशन स्पॉटलाइट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह विशेषरूप से टियर 2 क्षेत्रों के डिजिटल-फर्स्ट फैशन ब्रांड्स के विकास को गति देने के लिए फ्लिपकार्ट का फ्लैगशिप प्रोग्राम है। फैशन के मामले में डी2सी सेगमेंट में विकास के व्यापक अवसर हैं, विशेषरूप से टियर 2 क्षेत्रों के ब्रांड्स के लिए, जिनके पास अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए सही टूल्स की उपलब्धता नहीं है। फ्लिपकार्ट ने साल के अंत तक इस प्रोग्राम को 10 गुना करते हुए करीब 500 ब्रांड तक पहुंचने और धीरे-धीरे और भी ब्रांड्स तक पहुंचने की योजना बनाई है। ऐसा करते हुए फैशन स्पॉटलाइट सही मायनों में डी2सी फैशन टैलेंट के लिए लोकतांत्रिक तरीके से काम करने वाला लॉन्चपैड बन सकेगा।

इस लॉन्चिंग को लेकर फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसिडेंट कुणाल गुप्ता ने कहा पूरे भारत में फैशन सेगमेंट में डी2सी क्रांति की कमान नए उद्यमी संभाल रहे हैं, जो स्थानीय संस्कृति एवं

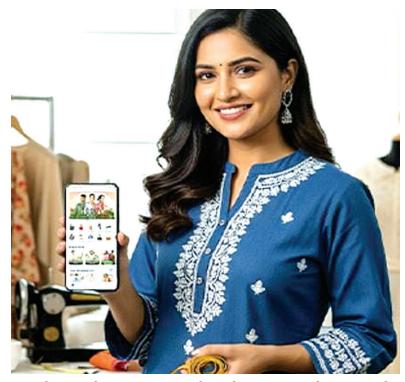

उपभोक्ताओं की जरूरतों को गहराई से समझते हैं। स्पॉटलाइट को उनके लिए ही बनाया गया है ऐसे ब्रांड्स जो हॉट क्लाइमेट, स्थानीय प्रयोग और फैब्रिक इनोवेशन कर रहे हैं, जिससे भारत के लोगों तक सही फैशन पहुंच सके। हमारा लक्ष्य उन्हें इस सफर पर आगे बढ़ने में सक्षम बनाना है। इसके लिए उन्हें तब तक सहयोग किया जाएगा, जब तक कि उनका कारोबार बढ़ नहीं जाता और उनके प्रोडक्ट को मार्केट में पहचान नहीं मिल जाती। यह बात सिर्फ डिस्ट्रीब्यूशन की नहीं है, यह ब्रांड्स की ऐसी जनरेशन तैयार करने की बात है, जो डिजिटल तरीके से बने हैं, स्थानीयता को प्राथमिकता देते हैं और फैशन सेक्टर के 20 करोड़ ग्राहकों को सर्विस देने के लिए तैयार हैं।' यह रणनीतिक शुरुआत त्योहारी सीजन के मौके पर की गई है। पारंपरिक तौर पर इस दौरान फैशन की मांग बढ़ती है। फ्लिपकार्ट फैशन पर आज की तारीख में 100 से ज्यादा डी2सी फैशन ब्रांड्स जुड़े हुए हैं। फ्लिपकार्ट देशभर में लाखों ग्राहकों के लिए क्यूरेटेड एवं ट्रेंड आधारित सेलेक्शन उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों को विस्तार दे रहा है। कई डी2सी फैशन ब्रांड्स ने फ्लिपकार्ट के मार्केटप्लेस पर जबर्दस्त विकास दर्ज किया है। इनमें सालाना आधार पर पिछले साल 500 प्रतिशत विकास करने वाले रेयर रैबिट, 2300 प्रतिशत विकास दर्ज करने वाले मिराजियो और 200 प्रतिशत विकास दर्ज करने वाले जूक के नाम उल्लेखनीय हैं। फ्लिपकार्ट पर 3 में से 1 ग्राहक फैशन सेगमेंट में अपनी पहली खरीदारी करता है। सोशल मीडिया की तुलना में पिछले साल एप पर परचेज इंटेंट 3 गुना बढ़ा था।

भारत के बंदरगाहों पर जहाज लाने से डरते हैं भारतीय कैप्टन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुधारने के लिए एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी करवट कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत सरकार के कुछ अधिकारी कुछ इस तरह का काम कर रहे हैं कि दुनिया भर में यहां का नाम खराब हो रहा है। हम बात कर रहे हैं शिपिंग सेक्टर की। जी हां, भारत के बंदरगाहों, खास कर सरकारी बंदरगाहों पर इंटरनेशनल रूट पर चलने वाले शिप से वसूली की खबर अब सोशल मीडिया पर भी चलने लगी है।

नवभारत टाइम्स ने इस बारे में कई मास्टर मैरिनर जिसे आम भाषा में कैप्टन कहते हैं, से बात की। सबने मुक्त कंठ से इस आरोप की पुष्टि की। उनका कहना है कि भारतीय बंदरगाहों पर कस्टम विभाग के अधिकारी बिल्कुल डकैत की तरह व्यवहार करते हैं। वे जहाज पर सिर्फ विभागीय कर्मचारियों के साथ ही नहीं आएंगे बल्कि अपने साथ रेमेजिंग ग्रुप के साथ आते हैं। वे स्टोर में जाएंगे और मार्लोबोरो जैसे कीमती सिगरेट की 20-25 कार्टन उठा लेंगे। वे सस्ते सिगरेट से मानते नहीं उन्हें तो 25 डॉलर से लेकर 50 डॉलर प्रति डिब्बी वाला सिगरेट चाहिए। इसके साथ ही उन्हें महंगी विदेशी शराब भी चाहिए। किस्सा यहीं अंत नहीं होता, उनके साथ चल रहे चमचेनुमा व्यक्ति फिर नीचे प्रोविजन रूम में जाएंगे और वहां से बटर, ओलिव ऑयल, कॉफी, टीबैग का कार्टन, जैम, न्यूट्रीला जैसे प्रोडक्ट का कार्टन उठा लेंगे। यहां तक कि वे फ्रोजन चिकन और कोल्ड ड्रिंक की बोतल का कार्टन भी उठा लेते हैं। एक कैप्टन का कहना है कि ऐसा सिर्फ भारत, पाकिस्तान और बंगलादेश के बंदरगाहों पर दिखता है। दुनिया के अन्य बंदरगाहों पर ऐसा नहीं होता है। अन्य देशों में तो वे सिगरेट के कार्टन को ही गिफ्ट के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। लेकिन भारत में तो कस्टम विभाग के लोग जहाज का कस्टम क्लियरेंस जल्दी देने के लिए सीधे-सीधे डॉलर मांगते हैं।

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड और नैस्डैक सूचीबद्ध डिजीएशिया कॉर्प ने एआई-संचालित ब्रांचलेस

बैंकिंग और फाइनेंशियल इंक्लूजन नवाचार में रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी।
एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड (एनएसई: एमओएस), भारत की एक प्रमुख फिनटेक इनोवेटर कंपनी, और नैस्डैक सूचीबद्ध डिजीएशिया कॉर्प, जो इंडोनेशिया की अग्रणी फिनटेक प्लेटफ़ॉर्म है, ने अपने रणनीतिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। यह साझेदारी सिर्फ़ भुगतान सेवाओं तक सीमित न रहकर ब्रांचलेस बैंकिंग, एआई-आधारित ढांचा और फाइनेंशियल इंक्लूजन समाधान तक फैलाई जाएगी, जो 30 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अवसर को लक्ष्य बना रही है। एमओएस की टेक्नॉलॉजी डिजीएशिया के ब्रांचलेस बैंकिंग नेटवर्क में एकीकृत की जाएगी, जिससे इंडोनेशिया में एक मिलियन से अधिक व्यापारियों को वित्तीय सेवा एजेंट के रूप में जोड़कर अपूर्ण रूप से सेवित समुदायों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी। डिजीएशिया कॉर्प के सह-सीईओ प्रशांत गोकार्ण ने कहा- हमारी साझेदारी एमओएस के साथ केवल भुगतान से आगे बढ़कर एआई-संचालित ब्रांचलेस बैंकिंग ईकोसिस्टम बनाने की दिशा में है, जो एक मिलियन से अधिक इंडोनेशियाई व्यापारियों को सक्षम बनाएगा और एशिया में डिजिटल व्यापार और समावेशी वित्त की नींव रखेगा। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर श्री चिराग शाह ने कहा-एमओएस के मॉड्यूलर फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर को डिजीएशिया की डिस्ट्रीब्यूशन रीच के साथ जोड़कर हम एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बना रहे हैं, जो वित्तीय सेवाओं की डिलीवरी को बदल देगा। एजेंट-नेटवर्क एआई से लेकर क्रॉस-बॉर्डर सपोर्ट तक, यह उभरते बाज़ारों में वित्तीय समावेशन को मज़बूत करेगा।

माउंटेन ड्यू ने लॉन्च किया 400 एमएल पीईटी पैक

मुंबई, एजेंसी।
पेप्सिको इंडिया के बोल्ड एवं फ्लेयरलेस बेवरेज ब्रांड माउंटेन ड्यू ने मात्र 20 रुपये में अपना नया 400 एमएल पीईटी पैक लॉन्च करने की घोषणा की है। अनूठी लॉन्चिंग के साथ माउंटेन ड्यू ने अपने प्राइस-पैक आर्किटेक्चर को इस तरह विस्तार दिया है, जिससे डर के आगे जीत है की कंपनी की फिलॉसफी के मुताबिक बेहतर वैल्यू एवं एक्सेसिबिलिटी मिल सके। ब्रांड अपने प्रशंसकों को हर सिप के साथ साहस और रोमांच को गले लगाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस लॉन्चिंग के मौके पर माउंटेन ड्यू ने रोमांच से भर देने वाले टीवीसी कैंपेन को भी पेश किया है। इसमें सेलेब्रिटी ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन नजर आए हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता अली अब्बास जफर ने किया है।

पेप्सिको इंडिया की कैटेगरी हेड आकांक्षा दलाल ने कहा माउंटेन ड्यू में हमारी फिलॉसफी है लोगों को हमेशा चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करना। 20 रुपये में 400 एमएल पीईटी पैक की लॉन्चिंग ड्यू एक्सपीरियंस को ज्यादा सुगम बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही यह हमारी बोल्ड आइडेंटिटी के अनुरूप भी है। ग्राहकों की ओर से मिली इनसाइट्स के अनुरूप किए गए इस इनोवेशन से कोई समझौता किए बिना ग्राहकों को बेहतर वैल्यू मिलेगी। ऋतिक रोशन के साथ हमारा नया कैंपेन साहस और जीत की भावना

को सटीक तरीके से दर्शाता है, जो कि माउंटेन ड्यू की पहचान हैं।' इस कैंपेन को लेकर ऋतिक रोशन ने कहा डर का सामना हम सब करते हैं, लेकिन हमारी पहचान हमारे साहस से होती है। माउंटेन ड्यू का कैंपेन साहस को गले लगाने और भरोसे के साथ छलांग लगाने की इसी ताकत को दिखाता है। मुझे इस ब्रांड के साथ जुड़कर खुशी है, जो लाखों लोगों को अपनी फिलॉसफी 'डर के आगे जीत है' से प्रेरित कर रहा है। 20 रुपये में 400 एमएल के पैक के साथ माउंटेन ड्यू ने इस अनुभव को अब और भी शानदार बना दिया है।' रोमांच से भर देने वाली इस विज्ञापन फिल्म में ऋतिक रोशन एक आउटडोर एडवेंचर करते नजर आएंगे, जिसमें वह प्राकृतिक बाधाओं का सामना करेंगे। सस्पेंस के बीच वह डर को महसूस करते हैं और फिर साहस के साथ छलांग लगा देते हैं और एक बार फिर साबित करते हैं कि 'डर के आगे जीत है'।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि मास्टर ब्लास्टर को रोजर बिन्नी की जगह BCCI अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

SRT स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ रिपोर्ट और अफवाहें फैल रही हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।'

BCCI अध्यक्ष का पद फिलहाल खाली है, क्योंकि रोजर बिन्नी को इस साल की शुरुआत में 70 साल की उम्र पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। बोर्ड के संविधान के अनुसार कोई भी पदाधिकारी 70 की उम्र के बाद पद पर नहीं रह सकता। इस बीच उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। पदाधिकारियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाली BCCI की वार्षिक आम बैठक में होंगे और ऐसी अटकलें हैं कि सर्वसम्मति से इस पद के लिए तेंदुलकर से संपर्क किया जा सकता है।

तेंदुलकर के BCCI अध्यक्ष बनने की खबर उस समय और अधिक चर्चा में आई जब एक मीडिया हाउस ने दावा किया गया है कि अपने करियर के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए प्रसिद्ध एक दिग्गज भारतीय क्रिकेटर पर भी इस शीर्ष पद के लिए विचार किया जा रहा है। पूर्व क्रिकेटरों द्वारा BCCI अध्यक्ष पद संभालने का चलन 2019 में शुरू हुआ, जब सौरव गांगुली ने यह पद संभाला। बाद में भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य बिन्नी ने उनकी जगह ली।

गौरतलब है कि तेंदुलकर ने कभी कोई प्रशासनिक पद नहीं संभाला है और BCCI अध्यक्ष बनने के लिए किसी राज्य क्रिकेट संघ का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। BCCI

संविधान के अनुसार प्रत्येक पूर्व भारतीय खिलाड़ी स्वतः ही अपने संबंधित राज्य संघ का सदस्य बन जाता है। हालांकि, BCCI में किसी भी पदाधिकारी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए उस राज्य संघ से औपचारिक नामांकन आवश्यक है।

भारत-पाक मैचों का क्रेज कम हुआ, अब तक आधे टिकट भी नहीं बिके

दुबई (एजेंसी)। यहां खेले जा रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक दर्शकों की कमी देखी गयी है। यहां तक कि रविवार को होने वाले भारत और पाकिस्तान मैच के लिए भी टिकटों की मांग नहीं हैं। पहले जहां टिकटों की भारी मांग रहती थी और मोटी कीमत पर भी लोग इन्हें खरीदने के लिए तैयार रहते थे। वहीं इस बार आधी टिकटें भी नहीं बिकी है। इससे लगता है कि अब भारत-पाक मैच का आकर्षण पहले जैसा नहीं रहा। या दर्शक इस बार पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर रहे हों। रविवार को दोनो ही टीमों के बीच दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ये मैच है पर अभी तक 50 फीसदी टिकट नहीं बिके हैं।

ये पहली बार ऐसा है, जब दोनो-टीमों के बीच मैच के टिकट मैच से पहले तक उपलब्ध रहने वाले हैं। इन टीमों के बीच मैच में प्रशंसकों के बीच टिकटों को लेकर मारामारी मची रहती थी पर इस बार ऐसा नहीं है। इसका कारण है कि करीब 50 फीसदी टिकट अभी भी नहीं बिके हैं। इसका बड़ा कारण ये हो सकता है कि भारतीय प्रशंसक इस मैच का बहिष्कार कर रहे हों और वे क्रिकेट जगत को दिखाना चाहते हैं कि वे पाक के साथ किसी भी स्तर पर क्रिकेट देखना पसंद नहीं करेंगे।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस अप्रैल में पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से ही प्रशंसक पाक से किसी प्रकार का संबंध नहीं चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इस बात से नाराज थे कि भारत सरकार और बीसीसीआई ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार नहीं किया। यही नाराजगी अब टिकट खिड़की पर दिख रही है। जिस मैच के लिए ब्लैक में टिकट मिलते थे, उस मैच के लिए टिकट बिक नहीं पा रहे। इससे पहले भारतीय पूर्व क्रिकेटरों ने ने लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान का बहिष्कार किया था। टिकट कम बिक्री का एक कारण ये भी माना जा रहा है कि

पाकिस्तान की टीम अब पहले जैसी नहीं रही और ये मैच एकतरफा होने लगे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने पिछले 5 मैच आसानी से जीते हैं। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान की टीम भारत को टक्कर नहीं दे पाती।

ब्रेट ली की सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम में विराट, रोहित सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ये सर्वकालिक टी20 एशिया कप टीम बनायी है। इसमें पूर्व ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज ने भारत के विराट कोहली, रोहित शर्मा, महेन्द्र सिंह धोनी, हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को शामिल किया है पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को जगह नहीं दी है। ब्रेट ली ने भारतीय टीम के पांच खिलाड़ियों जबकि पाकिस्तान के केवल दो खिलाड़ियों मोहम्मद रिजवान और हारिस रउफ को इस टीम में शामिल किया है।

रोहित और विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में ये दोनो ही एशिया कप 2025 के लिए टीम में नहीं हैं। वहीं रिजवान और बाबर खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर हैं। ली की बनायी टीम में धोनी और भारतीय टीम का हिस्सा रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी शामिल हैं।

टीम में यूएई के पूर्व स्पिनर अमजद जावेद, श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, यूएई के नवीद और पाकिस्तान के हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है।

ब्रेट ली की सर्वकालिक एशिया कप टी20 टीम

विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद रिजवान, बाबर हयात, एमएस धोनी, हार्दिक पंड्या, वानिंदु हसरंगा, राशिद खान, अमजद जावेद, मोहम्मद नवीद, हारिस रऊफ, जसप्रीत बुमराह।

एशिया कप में पाकिस्तान से नहीं खेलना चाहिये : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह का कहना है कि वर्तमान हालातों में पाकिस्तान से क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिये। हरभजर ने कहा कि जब तक पाक से संबंध तनावपूर्ण हैं तब तक न तो खेल होना चाहिये और न ही व्यापार। हरभजन ने कहा कि जब तब दोनों देशों के बीच संबंध नहीं सुधर जाते तब तक भारत और पाकिस?तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली जानी चाहिए। भारत और पाक टीम एशिया कप में रविवार को आमने-सामने होंगी। पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए हरभजन सहित कई प्रशंसकों का मानना है कि पाक के साथ खेल नहीं होना चाहिये। उनका कहना है कि पूर्व क्रिकेटरों

ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप्स ऑफ लीजेंड्स में पाक के खिलाफ दोनो ही मुकाबलों का बहिष्कार किया था। हरभजन के अनुसार हर किसी की सोच अलग होती है पर मेरा मानना है कि जब तक दोनों देशों के बीच संबंध सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार दोनों नहीं होना चाहिए हालांकि अगर सरकार कहती है कि मैच होना चाहिए तो फिर यह खेला जाना चाहिए। मगर दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने चाहिए।

वहीं हरभजन ने भारतीय क्रिकेट टीम की क्षमताओं को लेकर कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाहर होने के बाद भी टीम मजबूत है।उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, अगर कोई भारतीय टीम को हरा सकता है, तो वो खुद टीम इंडिया है। यह इतनी मजबूत टीम है। हमारी क्रिकेट अलग स्तर की है। भले ही विराट और रोहित संन्यास ले चुके हैं, लेकिन टीम काफी मजबूत है।

हरभजन के अनुसार भारतीय टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में जीतेगी।

भारत ने पहले महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत 11 से 25 नवंबर तक ऐतिहासिक रूप से पहली बार दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें भाग लेंगी। मैच नई दिल्ली और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। शुरुआत में काठमांडू को तीसरे मेजबान शहर के रूप में चुना गया था, जहां पाकिस्तान से जुड़े मैच होने थे, हालाँकि, नेपाल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक वैकल्पिक स्थल पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विश्व कप में 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच होंगे। 56 खिलाड़ियों की राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज, उसके बाद कठोर प्रशिक्षण और चयन शिविरों के बाद दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए अंतिम 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की गई है, जो विश्व मंच पर अपनी प्रतिभा, लचीलापन और जुझारूपन दिखाने के लिए तैयार है।

टीम सूची

बी1 श्रेणी : सिमू दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (आंध्र प्रदेश), अनु कुमारी (बिहार), जमुना रानी टुडू (ओडिशा), काव्या वी (कर्नाटक)

बी2 श्रेणी : अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदाह (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान), सुनीता सरोठे (मध्य प्रदेश), पारबती मांडी (ओडिशा)

बी3 श्रेणी : दीपिका टीसी (कर्नाटक - कप्तान), फूला सोरेन (ओडिशा), गंगा एस कदम (महाराष्ट्र - उप कप्तान), काव्या एनआर (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)

समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड की क्रिकेट शाखा, द क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) इस ऐतिहासिक विश्व कप का गौरवशाली आयोजक है, जो दिव्यांग खिलाड़ियों, विशेषकर महिलाओं के लिए समान मंच बनाने में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। CABI के अध्यक्ष महंतेश जी किवादासन्नावर ने कहा, 'यह विश्व कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, यह साहस, कौशल और समावेशिता का उत्सव है। भारत में इसकी मेजबानी करना गर्व की बात है और मुझे विश्वास है कि हमारी लड़कियां इस कसौटी पर खरा उतरेंगी, लाखों लोगों को प्रेरित करेंगी और देश को गौरवान्वित करेंगी।' इससे पहले भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने 2023 IBSA विश्व खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया था, जहां दृष्टिबाधित क्रिकेट ने अपनी शुरुआत की।

विश्व चैंपियनशिप में आमने-सामने होंगे नीरज और अरशद

टोक्यो (ईएमएस)। 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से 19 सदस्यीय टीम भाग लेगी जबकि पाकिस्तान की ओर से केवल नदीम ही उतरेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से ही ये पहली बार होगा जब नीरज और नदीम के बीच शीर्ष पर पहुंचने को लेकर प्रतिद्वंद्विता होगी। नीजर से टोक्यो जबकि नदीम ने

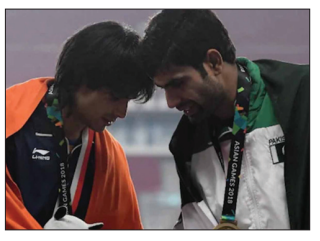

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं नीरज चोपड़ा क्लासिक जेवलिन इवेंट के लिए नदीम को पहले आमंत्रण भेजा गया था पर दोनो देशों के बीच तनाव के बीच ही नदीम ने इसमें शामिल होने से ये कहकर इंकार कर दिया था कि इस दौरान उनक ट्रेनिंग कार्यक्रम है। विश्वचैंपियनशिप की शुरुआत शनिवार को होगी और 18 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा।

टी20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं चहल कुलदीप दूसरे नंबर पर पहुंचे

मुम्बई । भारत के लिए अभी तक टी20 में सबसे अधिक विकेट तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम है। अर्शदीप ने अभी तक 99 विकेट लिए हैं। वहीं लेग युजवेंद्र चहल सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। उनके नाम 96 विकेट हैं। स्पिनरों की बात करें तो चहल पहले नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे स्पिनर कुलदीप यादव हैं। उनके नाम 41 मैचों में 73 विकेट हैं। वहीं इसके बाद आर अश्विन और अक्षर पटेल का नंबर आता है। अश्विन ने 65 मैचों में 72 विकेट लिए हैं। वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर हैं। वहीं अक्षर पटेल के भी इतने ही विकेट हो गये हैं हालांकि उन्होंने अश्विन से अधिक विकेट लिए है। अक्षर पटेल ने 72 मैचों में 72 विकेट हासिल कर लिए हैं। वे इस सूची में चौथे नंबर पर हैं। वहीं स्पिनर रवि बिश्नोई पांचवें नंबर पर है, उन्होंने 42 मैचों में 61 विकेट लिए हैं।

एशिया कप 2025 : श्रीलंका पर मनोवैज्ञानिक बढ़त मजबूत करने

अबु धाबी (एजेंसी)। बंगलादेश शनिवार को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 टी-20 के पांचवें मुकाबले में अपने पहले मैच में मिली जीत की महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक बढ़त को मजबूत करने और श्रीलंका के खिलाफ टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने के लिए उतरेगा।

पिछले महीनों के आंकड़ों के अनुसार बंगलादेश का पलड़ा भारी है क्योंकि उसने जुलाई 2025 में श्रीलंका को टी-20 सीरीज में 2-1 से हराया था और उनकी मौजूदा लय उन्हें एक प्रतिस्पर्धी टीम बनाती है। बंगलादेश ने एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ शानदार शुरुआत की है। इस मैच में बंगलादेश ने लिटन दास की 39 गेंदों पर 59 रनों की आक्रामक पारी की बदौलत बंगलादेश ने हांगकांग के खिलाफ 144 रनों के लक्ष्य का 18 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया।

बंगलादेश के सलामी बल्लेबाज तनजीद हसन और परवेज हुसैन इमोन, मध्यक्रम के बल्लेबाज तौहीद हृदय और जैकर अली के साथ मिलकर एक संतुलित बल्लेबाजी क्रम प्रदान करते हैं जो प्रभावी ढंग से पारी को आगे बढ़ाने और समाप्त करने में सक्षम है। वहीं अगर गेंदबाजी की बात की जाए तो तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान का तेज गेंदबाजी आक्रमण शानदार फॉर्म में है। स्पिनर महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन अबु धाबी की परिस्थितियों

के अनुकूल हैं। संभावित बंगलादेश एकादश- परवेज हुसैन इमोन, तनजीद हसन तमीम, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदय, शमीम हुसैन, जैकर अली, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, तनजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान। वहीं अगर श्रीलंका की बात की जाये तो उसने अपने पिछले पांच टी-20 मैचों में से केवल दो में जीत हासिल करते हुए, अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है। बंगलादेश से सीरीज हार और जिम्बाब्वे से मिली करारी हार ने एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत में टीम पर दबाव बढ़ा दिया है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और कुसल परेरा के साथ मिलकर पारी को स्थिर करने की उम्मीद है, जबकि कामिल मिशारा और चरित असालंका पारी के अंत में तेजी ला सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण की बात की जाए तो वनिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज और चरित असालंका की अगुवाई में श्रीलंका का स्पिन विभाग अबु धाबी की पिच पर महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, जो बीच के ओवरों में स्पिनरों के लिए अनुकूल है। दुष्मंथा चमीरा तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे, हालांकि हालात में स्पिनरों का पलड़ा भारी लग सकता है।

विश्लेषकों के अनुसार शेख जायद स्टेडियम की पिच संतुलित है जिस पर बल्लेबाज शुरुआत में खुलकर खेल सकते हैं, जबकि स्पिनर बीच के ओवरों में सटीकता का फायदा उठाकर नियंत्रण बना सकते हैं। इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ऐतिहासिक रूप से फायदा मिलता रहा है। पिछले 10 टी20 मैचों में से आठ लक्ष्य का पीछा कर जीते गए है। इसलिए टॉस जीतने वाले कप्तान के पहले क्षेत्ररक्षण करने की संभावना है। 170 के आसपास के स्कोर से एक प्रतिस्पर्धी मुकाबला होने की उम्मीद है।

संभावित प्लेइंग 11

बंगलादेश = तंजीद हसन, परवेज़ हुसैन इमोन, लिटन दास (कप्तान और विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, जेकर अली, महेदी हसन, तंज़ीम हसन, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान

श्रीलंका -पथुम निसंका, कुसल मेंडिस (विकेट कीपर), कुसल परेरा, कामिल मिशारा, कामिंडु मेंडिस, चरित असालंका (कप्तान), दासुन शनाका, महेश दीक्षाना, दुनिथ वेल्लालेज/मथीशा पथिराना, वानिंदु हसरंगा, दुष्मंथा चमीरा।

संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची साइना नेहवाल

नई दिल्ली। अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल संत प्रेमानंद महाराज की शरण में पहुंची हैं। साइना के साथ इस दौरान उनकी मां और बहन भी थीं। साइना ने कहा कि कई बार जब उन्हें किसी इवेंट में जाना होता है तो वह तनाव में आ जाती। जिससे वह मुक्त होना चाहती हैं। इसपर प्रेमानंद जी महाराज ने उनकी शंकाओं का समाधान किया। साइना की प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन करते समय की जो वीडियो आई है इसमें वह महाराज जी के सामने हाथ जोड़कर खड़ी हुई हैं और अपनी परेशानी उन्हें बता रही हैं। साइना के साथ उनकी मां उषा नेहवाल और उनकी बहन भी दिखाई दे रही हैं। साइना ने प्रेमानंद महाराज से पूछा, ', मुझे मंदिर जाना बहुत पसंद है और मैं काफी मंत्र भी जपती हूं पर जब भी मुझे कुछ लोग इवेंट्स में बुलाते हैं, तो उस टाइम का न सोचकर मैं थोड़ा तनाव में आ जाती हूं कि इस कार्यक्रम का क्या होगा।' साइना के सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा, 'अज्ञान की वृद्धि जब तक नष्ट नहीं होगी तब तक वह चिंता बनी रहती है। वहीं वर्तमान के समय को यदि हम भगवान के नाम को जपने में लगा दें तो हमारा भूत और भविष्य दोनों ठीक हो जाएगा।' संत ने कहा कि जब हमारी बुद्धि खराब हो जाती है तो नकारात्मकता अधिक फैलने लगती है और जब बुद्धि ज्यादा नकारात्मक हो जाती है तब हम अवसाद में पहुंच जाते हैं। वहीं अगर हमारी बुद्धि सकारात्मक होती है तो हम समस्या के साथ भी खुश रहते हैं।' हाल में साइना निजी जीवन को लेकर परेशान रही हैं। कुछ समय पहले ही उनका बैडमिंटन स्टार पारुपल्ली कश्यप से अलग होने की बात कही थी हालांकि बाद में फिर दोनो एकसाथ आ गये। दोनों ने अपने रिश्ते को एक ओर मौका दिया। साइना ने पति कश्यप के साथ तस्वीर शेयर करके जानकारी दी। प्रेमानंद जी महाराज ने आगे कहा कि तनाव नाम जप से आएगा। अगर हम राधा राधा राधा कृष्ण कृष्ण राम राम जो नाम प्रिय है वह नाम जप करें और पवित्र भोजन पावें। तो हमारे अंदर जो चिंता है, जो बेचैनी है यह फिर हमारे अंदर नहीं रहेगी. हर समय प्रसन्न रहेंगे. देखो जो भगवान के भक्तजन होते हैं, वे कैसी भी स्थिति को प्रसन्न रहते हैं, क्योंकि उनकी नकारात्मकता समाप्त हो जाती है। इसलिए नियमित तौर पर जाप करें। साइना से पहले क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी संत की शरण में पहुंचे थे।

'वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं' : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अक्सर भावनाएं हावी हो जाती हैं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि इसी कमी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण मैच गंवाने पड़े हैं। राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज्यादा समय से स्थगित है जिससे उनके मुकाबले आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं तक ही सीमित हैं। पिछले 10 सालों में यह प्रतिद्वंद्विता काफी हद तक एकतरफा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं।

लतीफ ने कहा, 'हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इसी वजह से पाकिस्तान ज्यादातर हार जाता है।' पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दूसरी ओर, भारत पिच और मैच की स्थिति के अनुसार खेलता है और इसीलिए वे सफल होते हैं।'

दोनों देश रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मैच में एक-दूसरे के खिलाफ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे। लतीफ का मानना है कि हार्दिक पांड्या के फिनिशिंग कौशल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन द्वारा प्रदान किया गया संतुलन और जसप्रीत बुमराह की बेजोड़ सटीकता के साथ भारत की संयम बनाए रखने की क्षमता, उन्हें इस समय एक पूर्ण टीम बनाती है।

लतीफ ने कहा, 'हार्दिक पांड्या एक खतरनाक खिलाड़ी हैं। मध्यक्रम के खिलाड़ी या नीचे आने वाले खिलाड़ी खेल को बदल सकते हैं। पांड्या ने ऐसा एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया है, जो अद्भुत है और इसीलिए उन्हें एक्स-फैक्टर कहा जाता है। वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, गेंदबाजी में बुमराह एक बड़ी संपत्ति हैं। कुल मिलाकर, यह एक बहुत अच्छी टीम है।'

लतीफ के लिए बुमराह अभी भी वह गेंदबाज हैं जो मुकाबलों को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक गेंदबाजी की बात है, सटीकता ज्यादा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीयों का धैर्य और कौशल खेल के दौरान बेहतर प्रदर्शन करता है।' मेलबर्न में 2022 के टी20 विश्व कप में विराट कोहली के नाबाद 82 रनों ने भारत को मुश्किल से बाहर निकालकर अंतिम गेंद पर चार विकेट से जीत दिलाई। एक साल बाद एशिया कप में भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को 228 रनों से हरा दिया, लेकिन उनका सुपर 4 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका में 2024 के टी20 विश्व कप में बुमराह के तीन विकेटों ने छह रनों से जीत सुनिश्चित की, क्योंकि भारत सिर्फ 119 रनों का बचाव कर पाया।

लतीफ ने कहा, 'पाकिस्तान पर पिछले 30 सालों से दबाव है। इसलिए शायद भारत इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा।' हालांकि उन्होंने भारत की एक संभावित कमजोरी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'भारत में एकमात्र कमी यह है कि उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। वे जरूर अभ्यास मैच खेल रहे होंगे या अभ्यास कर रहे होंगे। लेकिन उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। यह एक नुकसानदेह स्थिति हो सकती है।'

इस बीच पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में मुश्किल स्पिन पिचों पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलकर आया है, और लतीफ का मानना ??है कि यह अनुभव उन्हें जल्दी से अनुकूलन करने में मदद कर सकता है। नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन एक ऐसा मुख्य समूह भी है जिसने इस दशक की शुरुआत में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वही है। मैं कह सकता हूं कि तीन नए खिलाड़ी हैं। सलमान अली आगा, जो हाल ही में आए हैं। सैम अयूब का 2024 में पदार्पण। हसन नवाज। बाकी खिलाड़ी 2021, 2018 और 2016 के हैं। लतीफ ने कहा, 'हमारे पास एक नया कप्तान भी है और आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल है।'

लतीफ का मानना है कि साहिबजादा फरहान पाकिस्तान के लिए एक सरप्राइज पैकेज हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वह पिछले 3-4 सालों से टी20 में शीर्ष पर चल रहे हैं। उन्होंने लगभग 1000 रन बनाए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 4-5 शतक लगाए थे। इस तरह उन्होंने खुद को वापस ला दिया है। उनकी अच्छी बात यह है कि वह टी20 क्रिकेट वैसे ही खेलते हैं जैसे उसे खेला जाना चाहिए। उन्हें जो भूमिका दी जाती है, वह उसे निभाते हैं। वह अपने लिए नहीं खेलते। वह पहले 10-12 ओवरों में गति पकड़ने की कोशिश करते हैं और यही उनकी सफलता का मंत्र रहा है।'

नवंबर में चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप

चेन्नई । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अनुसार जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएंगा। इसमें 28 नवंबर को जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच खेला जाएगा। मेजबान भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 नवंबर को ही चिली के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 29 नंवबर को पाकिस्तान से खेलना है। भारतीय टीम अपना अंतिम लीग मैच 2 दिसंबर को मदुरै में स्विट्जरलैंड से खेलेगी। पहली बार हो रहे इस विश्व कप में दुनिया भर की 24 टीमें भाग लेंगी। इसमें छह टीमों को चार-चार के छह समूहों में विभाजित किया गया था और भारत को ग्रुप-बी में पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा कि जूनियर विश्व कप का शुभारंभ इस प्रतिष्ठित आयोजन की हमारी यात्रा में एक और रोमांचक बनाता है। एफआईएच के इतिहास में पहली बार, जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल रहेंगी। इससे उभरती हुई प्रतिभाओं को आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। यह न केवल हॉकी के वैश्विक विकास और समावेशिता को बताता है, बल्कि उभरते हॉकी देशों को शीर्ष स्थापित टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अवसर भी प्रदान करता है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भी शामिल किया गया है हालांकि अभी तक पाक हॉकी संघ ने इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे !

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान?यत- अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत- कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद

जूनागढ़ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज गुजरात दौरे पर हैं। आज राहुल गांधी जूनागढ़ के भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने पहुंचे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा, भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत अन्य नेताओं और बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया। हालाँकि, इस दौरान एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तानी गाना बजाने से विवाद पैदा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष के नेता राहुल गांधी का जूनागढ़ में भव्य स्वागत किया गया। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा के अलावा भरतसिंह सोलंकी, तुषार चौधरी समेत नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। राहुल गांधी जब भवनाथ में आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने जा रहे थे, तो उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर मौजूद थे। हालाँकि, इस दौरान डीजे पर एक पाकिस्तानी गाना बज रहा था। राहुल गांधी के स्वागत में डीजे द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों के लिए बनाया गया गाना जीत की लगन बजाने पर अब विवाद बढ़ गया है। कुछ लोग यह भी चर्चा कर रहे हैं कि क्या जूनागढ़ में राहुल गांधी के स्वागत में पाकिस्तान के लिए प्रेम था। इस घटना से भाजपा नेताओं को राहुल गांधी पर हमला करने का एक और मौका मिल गया है। हांलाकि जूनागढ़ में जब राहुल गांधी का काफिला आगे बढ़ रहा था, तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी आप आगे बढ़ो के नारे भी लगाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने मुख्य परिसर के भीतर सख्त सुरक्षा नियम लागू किए हैं, जिससे इस एक हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। नए नियमों के तहत, सुप्रीम कोर्ट परिसर में कई गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। हाई सिक्योरिटी ज़ोन में मोबाइल फोन का उपयोग करके तस्वीरें खींचने या वीडियो बनाने पर पूरी तरह से रोक है। इसके अलावा, आधिकारिक उपयोग को छोड़कर, कैमरा, ट्राइपॉड और सेल्फी स्टिक जैसे उपकरणों का इस्तेमाल भी प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं परिसर के अंदर रील्स या इसी तरह के वीडियो बनाने पर भी प्रतिबंध है। यदि कोई पत्रकार इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करता है, तब उस पत्रकार को एक महीने के लिए हाई सिक्योरिटी ज़ोन में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। अगर इनमें से कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है, तब संबंधित बार एसोसिएशन या राज्य बार काउंसिल अपने नियमों के अनुसार कार्रवाई कर सकती है। अन्य कर्मचारियों या व्यक्तियों द्वारा नियमों के उल्लंघन पर उनके विभागाध्यक्ष द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों को यह अधिकार दिया गया है कि वे किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी या वकील को हाई सिक्योरिटी ज़ोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोक सकते हैं।

बहराइच में फिर भेड़िए का आतंक : मां के साथ सो रही 3 माह की मासूम को उठा ले गया

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में एक बार फिर भेड़िए का आतंक शुरु हो गया है। यहां एक हफ्ते में दो घटनाएं डराने वाली हुई हैं। बीती रात एक जंगली जानवर मां के साथ सो रही तीन महीने की मासूम बच्ची को उठा ले गया। सुबह ग्रामीणों को गन्ने के खेत में बच्ची के शव के अवशेष मिले। यह घटना जिले के महसी तहसील के बहोरवा गांव की है।बता दें कि यह घटना उस इलाके में हुई, जहां दो दिन पहले एक सात साल की बच्ची भी भेड़िए का शिकार बन चुकी है। लगातार हो रहे इन हमलों से क्षेत्र में भय का माहौल है।

शिकायत करने से नाराज डीएमके नेता ने व्यक्ति को कार से कुचला, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके के एक नेता को एक व्यक्ति को अपनी कार से कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम विनयगम पलानीस्वामी बताया जा रहा है। वह तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में पंचायत अध्यक्ष हैं। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम भी पलानीस्वामी ही है। जब वह अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी विनयगम ने उसे अपनी एसयूवी कार से कुचल दिया। शुरुआत में इसे हिट एंड रन का मामला माना जा रहा था, क्योंकि डीएमके नेता उस समय नशे में थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीड़ित परिवार को इसमें गड़बड़ी की आशंका जताई। बताया गया कि मृतक के पंचायत प्रमुख के साथ मतभेद थे। इसके बाद मामले को हत्या की जांच में बदला गया और पुलिस ने आरोपी पर शिकंजा कसा। पुलिस के मुताबिक मृतक ने एक निजी सड़क पंचायत को न सौंपे जाने की शिकायत की थी। इससे ही आरोपी भड़क गया था। मृतक पलानीस्वामी ने आरोपी विनयगम सामने कई और मुद्दे भी उठाए थे। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बीते कुछ वक्त से तमिलनाडु में विपक्ष डीएमके की सरकार पर अपराध बढ़ने और कानून-व्यवस्था में गिरावट का आरोप लगा रहा है। हालांकि डीएमके ने राज्य में सबसे कम अपराध का दावा किया है।

350 साल पुराने मंदिर से चांदी के खड़ाऊं चोरी कर ले गई महिला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 350 साल पुराने दादी महाराज मंदिर में महिला ने चांदी के खड़ाऊं चोरी किए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक महिला बेहद शातिर अंदाज में मंदिर में घुसकर खड़ाऊं लेकर फरार हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना फुलेरा गांव की है। यहां सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तब उन्होंने देखा कि भगवान के चरणों में रखीं चांदी की खड़ाऊं गायब हैं। पहले सभी को लगा कि खड़ाऊं किसी ने पूजा के लिए हटाई होंगी, लेकिन जब खोजबीन के बाद भी नहीं मिलीं।

लोकतंत्र में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस जनता का विश्वास मजबूत करते हैं: लोकसभा अध्यक्ष

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के विधान सौध की ऐतिहासिक सीढ़ियों पर आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ/ कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन भारत क्षेत्र सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास तभी मज़बूत होगा जब संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस की परंपरा को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद की संस्कृति हजारों वर्षों से हमारी परंपरा का हिस्सा रही है, जिसे हमारे संविधान ने और अधिक मज़बूती प्रदान की। उन्होंने संविधान सभा की बहसों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हर शब्द और अनुच्छेद पर गहन चर्चा हुई थी, उसी कारण हमारा संविधान समावेशी और दूरदर्शी बन सका। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत और सबसे जीवंत संविधान; ÷भारत का संविधान÷ है। हमारे संविधान निर्माताओं के प्रयासों से भारत अनेक विविधताओं के बावजूद एकजुट है।

लोक सभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सदन में अपने आचरण से गरिमा और मर्यादा बनाए रखें। हंगामे, गतिरोध और बार-बार स्थगन से लोकतंत्र को केवल आघात पहुँचता है और जनता का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को इस पर आत्ममंथन करना चाहिए कि बहस और संवाद से ही समाधान निकलता है। विधानमंडलों में सत्रों की घटती संख्या, चर्चा का सीमित समय और लगातार व्यवधान पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमें अपनी बहस की संस्कृति को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की जनता हमसे शोर नहीं, समाधान चाहती है। यदि हमारी बहस रचनात्मक होगी तो हमारे कानून बेहतर होंगे, हमारे कानून बेहतर होंगे तो शासन सशक्त होगा, और यदि शासन सशक्त होगा तो जनता का विश्वास अटूट रहेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) लगभग 180 राष्ट्रमंडल सांसदों/विधान मंडलों का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला सीपीए भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। भारत सीपीए का 9वां क्षेत्र है, तथा देश के सभी 31 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शाखाएं भारत क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं। कर्नाटक, बेंगलुरू में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का मुख्य विषय ÷विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा - जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम÷ रखा गया है।

इस अवसर पर कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैय्या, कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, तथा सीपीए इंडिया रीजन की विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया। कर्नाटक विधान सभा के अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया और सीपीए कर्नाटक शाखा के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

स्पाइसजेट विमान का पहिया उड़ान भरते ही गिरा, मुंबई में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। स्पाइसजेट की कांडला-मुंबई उड़ान ने शुक्रवार को यात्रियों की सांसें रोक देने वाली स्थिति पैदा कर दी। दरअसल उड़ान भरते ही विमान का आगे का एक बाहरी पहिया रनवे पर गिर गया, जिसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर आपातकालीन अलर्ट घोषित किया गया। हालांकि, पायलट की सूझबूझ से विमान सुरक्षित उतरा और सभी यात्री सकुशल विमान से उतार लिए गए। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 12 सितंबर को कांडला से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला स्पाइसजेट का कयू400 विमान पूरी तरह सुरक्षित मुंबई में उतरा। विमान ने अपनी यात्रा जारी रखी और सुचारू रूप से लैंडिंग की। सभी यात्री सामान्य रूप से उतर गए। जानकारी के अनुसार, कांडला एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने उड़ान भरने के तुरंत बाद रनवे पर विमान से कुछ गिरते देखा। संदेह होने पर एटीसी ने तुरंत पायलट को सूचित किया और रनवे पर गिरी वस्तु को लाने के लिए टीम भेजी। बाद में रनवे से विमान का पहिया और धातु का एक हिस्सा बरामद किया गया। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले दमकल और बचाव दल को हाई अलर्ट पर रखा गया था। विमान शाम करीब 4 बजे सुरक्षित उतरा। मुंबई एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया, गंभीर खतरे की स्थिति के बावजूद विमान अपने तय कार्यक्रम के तहत टर्मिनल तक पहुंचा और सभी यात्री सुरक्षित बाहर आ गए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक पूर्व अधिकारी ने इस घटना को गंभीर करार देते हुए कहा, कि विमान के पहिए का उड़ान भरते समय उखड़ना बड़ा खतरा है। सौभाग्य से, पहिए का एक हिस्सा जुड़ा रहा, अन्यथा स्थिति भयावह हो सकती थी। इस घटना के बाद डीजीसीए ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए। अधिकारियों का कहना है कि स्पाइसजेट को अपनी विमानन सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांच को और कड़ा करना होगा।

देश में पहली बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल तरीके से होगी, लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2027 में होने जा रही देश की जनगणना बेहद खास अंदाज में होने वाली है। ये जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी और भवन तथा इमारतों की जियोटैगिंग भी की जाएगी। यह प्रक्रिया कई मायनों में खास रहने वाली है। लोग खुद अपनी जानकारी भर सकेंगे। 1931 के बाद पहली बार अलग-अलग जातियों की गिनती भी होगी। साथ ही, पूरे देश में इमारतों का जियोटैग किया जाएगा जो पहले कभी जनगणना में नहीं हुआ। चलिए जानते हैं कि जियोटैगिंग क्या है और कैसे कराई जाती है।

जियोटैगिंग का काम जनगणना के पहले चरण यानी हाउसलिस्टिंग ऑपरेशंस (एचएलओ) के दौरान होता है। अप्रैल-सितंबर 2026 में यह शुरू हो जाएगा। गणना करने वाले कर्मचारी अपने तय किए गए हाउसलिस्टिंग ब्लॉक में जाएंगे और हर इमारत को डिजिटल लेआउट मैपिंग के जरिए जियोटैग करेंगे। वे अपने स्मार्टफोन पर लोकेशन ऑन करके मोबाइल ऐप के जरिए इमारत की जानकारी दर्ज करेंगे। इस दौरान हर इमारत में मौजूद घरों और परिवारों की संख्या की जानकारी ली जाएगी। इमारतों को रहने वाली, गैर-रिहाइश, आंशिक

रूप से रहने वाली या लैंडमार्क जैसी श्रेणियों में बांटा जाएगा। जनगणना में परिवार का मतलब है वो लोग जो आमतौर पर एक साथ रहते हैं। वे एक ही रसोई से खाना खाते हैं, भले ही काम की वजह से कोई बाहर रहे। जियोटैगिंग के जरिए किसी इमारत की लोकेशन को अक्षांश और देशांतर के जरिए डिजिटल नक्शे (जीआईएस) पर मार्क करना होता है। जीआईएस यानी जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम ऐसा कंप्यूटर सिस्टम है जो धरती की सतह पर किसी जगह की जानकारी को कैप्चर करता है, उसकी जांच करता है और दिखाता है। जियोटैगिंग से हर इमारत को एक यूनिक लोकेशनल आइडेंटिटी मिलती है, जिसे आसानी से पिनपॉइंट किया जा सकता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 33.08 करोड़ इमारतें थीं जिनमें 30.61 करोड़ में लोग रहते थे और 2.46 करोड़ खाली थीं। इनमें से 22.07 करोड़ ग्रामीण इलाकों में और 11.01 करोड़ शहरी इलाकों में थीं।

क्या हाई-प्रोफाइल भगोड़ों की होने जा रही घर वापसी? भारत क्यों दे रहा जेलों में सुविधाओं का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और फरार कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश तेज हो गई है। इस कड़ी में केंद्र सरकार ने बेल्जियम प्रशासन को पत्र लिखकर आश्वासन दिया है कि प्रत्यर्पण के बाद चोकसी को मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा, जहां उसे साफ बिस्तर, संतुलित भोजन, व्यायाम और मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी।

दरअसल, बेल्जियम और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि है, लेकिन आरोपी के मानवाधिकारों की गारंटी देना अनिवार्य शर्त है। इसी वजह से भारत को बार-बार जेलों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विस्तृत रिपोर्ट देनी पड़ रही है। इससे पहले विजय माल्या और हथियार व्यापारी संजय भंडारी जैसे मामलों में भी भारत सरकार ने ब्रिटेन को भरोसा दिलाया था कि आरोपियों को सुरक्षित और मानवीय माहौल मिलेगा। गौरतलब है कि कई भगोड़े कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेशी अदालतों में यही दलील देते हैं कि भारत की जेलें असुरक्षित हैं, वहां हिंसा और मानवाधिकार हनन का खतरा है। यूरोपीय देशों और ब्रिटेन की अदालतें इस तर्क को गंभीरता से लेती हैं। यूरोपियन कन्वेंशन ऑन ह्यूमन राइट्स साफ कहता है कि किसी आरोपी को ऐसे देश में नहीं भेजा जा सकता जहां उसे अमानवीय व्यवहार या जान का खतरा हो। यही कारण है कि प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अक्सर लंबी और जटिल हो जाती है।

एक जांच रिपोर्ट के अनुसार, 2002 से अब तक भारत 66 भगोड़ों को अलग-अलग देशों से वापस लाने में सफल रहा है। इनमें सबसे अधिक प्रत्यर्पण यूएई और अमेरिका से हुए हैं, जबकि यूके से केवल एक आरोपी ही लौटाया जा सका है। यही वजह है कि ब्रिटेन और यूरोपीय देशों की अदालतों को संतुष्ट करने के लिए भारत बार-बार सुरक्षा और जेल सुधारों का हवाला देता है। जुलाई में ब्रिटिश क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस की एक टीम ने दिल्ली की तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया था। टीम ने हाई सिक्योरिटी वार्ड और निगरानी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। माना जा रहा है कि यह दौरा विजय माल्या, नीरव मोदी और संजय भंडारी जैसे हाई-प्रोफाइल मामलों को लेकर हुआ था।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि प्रत्यर्पण संधि होने के बावजूद हर देश अपने यहां रहने वाले व्यक्ति की सुरक्षा और अधिकारों को सर्वोपरि मानता है। आरोपी को लौटाने से इनकार भी किया जा सकता है, अगर यह साबित हो जाए कि उसके साथ दुर्व्यवहार या राजनीतिक

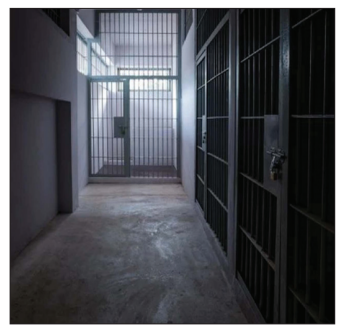

प्रतिशोध की आशंका है। भारत सरकार के लिए अब चुनौती है कि वह विदेशी अदालतों को यह भरोसा दिला सके कि यहां की जेलों में मानवीय गरिमा, सुरक्षा और निष्पक्ष सुनवाई की पूरी गारंटी है। तभी चोकसी समेत अन्य भगोड़े आर्थिक अपराधियों की घर वापसी संभव हो पाएगी।

जब सुप्रीम कोर्ट में होने लग गई पड़ोसी देशों के हालात की चर्चा... नेपाल में क्या हो रहा है, बांग्लादेश में क्या हुआ..

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक चुनावी याचिका पर सुनवाई के दौरान पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश का जिक्र हुआ। मामला एक ऐसे उम्मीदवार से जुड़ा था, जिसके पास भारत के साथ-साथ नेपाल की नागरिकता होने का दावा किया गया। इसी संदर्भ में अदालत ने नागरिकता और संवैधानिक स्थिरता के महत्व पर टिप्पणी की।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, कि आजकल नेपाल भी नहीं जा सकते। यह टिप्पणी नेपाल में चल रहे राजनीतिक संकट और हालिया अशांति की ओर इशारा थी। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मौजूदा हालातों को लेकर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान कहा था कि भारत को अपने संविधान पर गर्व है। उन्होंने कहा, पड़ोसी देश नेपाल में क्या हो रहा है, सबको पता है। वहीं जस्टिस विक्रम नाथ ने भी इस क्रम में बांग्लादेश का उदाहरण दिया और कहा, बांग्लादेश में क्या हुआ, यह भी सब जानते हैं।

इन टिप्पणियों से स्पष्ट है कि अदालत केवल कानूनी पहलुओं पर ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों के हालात खासतौर पर राजनीतिक अस्थिरता और उनके लोकतांत्रिक ढांचे पर भी नजर बनाए हुए है। न्यायाधीशों ने अप्रत्यक्ष रूप से यह रेखांकित किया कि भारत का लोकतंत्र और संविधान अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल है।

स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए... सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक नहीं

-सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या बन गई है, जो केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई अन्य शहरों को भी प्रभावित करती है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी कर कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार पूरे देश के लोगों को मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति पर सुनवाई करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रदूषण नियंत्रण नीति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तब यह अधिकार देश के अन्य शहरों के नागरिकों को भी मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि स्वच्छ हवा का अधिकार सिर्फ दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि

यह पूरे देश के हर नागरिक का अधिकार है।

उन्होंने अपने अनुभव का उदाहरण देकर कहा कि अमृतसर में भी प्रदूषण दिल्ली से बदतर था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तब यह पूरे देश में लागू होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट फिलहाल उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री, भंडारण और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को बदलने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत, कई शहरों ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि वायु प्रदूषण नियंत्रण में इंदौर, अमरावती और देवास शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में, इंदौर पहले स्थान पर रहा, जिसके बाद जबलपुर और संयुक्त रूप से आगरा और सूरत तीसरे स्थान पर रहे।

मोदी सरकार अगले साल से शहरों के वार्डों का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन करेगी, जिसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। यह दिखाता है कि वायु प्रदूषण की समस्या को हल करने के लिए सरकार और न्यायपालिका दोनों ही पूरे देश में सामूहिक प्रयास पर जोर दे रहे हैं।

कंगना के वकील को फटकारते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा... हमारा मुंह मत खुलवाइये

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को झटका देकर उनकी उस याचिका पर विचार करने से इंकार किया, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन में भाग लेने वाली महिला के बारे में उनके विवादास्पद ट्वीट के कारण उनके खिलाफ दर्ज मानहानि के मामले को रद्द करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कंगना के वकील पर तल्ख टिप्पणी कर कहा कि आपका ट्वीट कोई साधारण रिट्वीट नहीं था बल्कि आपने उसमें मसाला डाला था।

पीठ ने वकील से पूछा, अपनी टिप्पणियों के बारे में आप क्या कहते हैं? आपने इसमें मसाला डाल दिया। यह कोई साधारण रीट्वीट नहीं था। इस पर वकील ने पीठ से कहा, शिकायत दर्ज कराने से पहले ही उनका स्पष्टीकरण आ चुका था और वह मौजूद है लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया।

कंगना के वकील के तर्क पर पीठ के

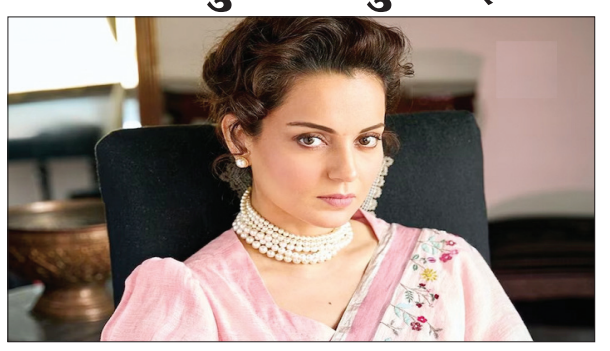

जज उखड़ गए। उन्होंने कहा, आपने ट्वीट में मसाला डाला, अब आप अपने ट्वीट पर टिप्पणी करने के लिए हमें नहीं उकसाइए। इस पर हमारा मुंह मत खुलवाइए। आप इस वापस लें। क्या आप वापस लेना चाहते हैं? सबूतों की अस्वीकार्यता के कारण आपकी शिकायत खारिज की जा सकती है। इसके बाद भाजपा सांसद कंगना के वकील ने याचिका वापस ले ली।

रिपोर्ट के मुताबिक, सुनवाई के दौरान कंगना के वकील ने दलील दी कि उन्होंने कौर के बारे में नहीं, बल्कि शाहीन बाग के एक प्रदर्शनकारी के बारे में बात की थी। वकील ने कहा, यह मामला रीट्वीट से जुड़ा है। मूल ट्वीट को ही अन्य लोगों ने कई बार रीट्वीट किया था। उन्होंने बिलकिस बानो या शाहीन बाग वाली दादी के बारे में बात की थी, न कि प्रतिवादी के बारे में। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री ने एक स्पष्टीकरण भी जारी किया था, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया लेकिन पीठ इससे सहमत नहीं हुई और पीठ ने रनौत के याचिका मंजूर करने से इंकार कर दिया।

सफ्रान-डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन डील को मिल सकती है हरी झंडी

-दो सालों से चल रही है चर्चा, अब सरकार इसको लेकर हुई सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट में फ्रांस के साथ जो बात चल रही है, उसमें प्रगति होने की खबर सामने आई है। फ्रांस की जेट इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान एसए और डीआरडीओ के गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टैब्लिशमेंट के ज्वाइंट प्रोजेक्ट को मंजूरी के इंतजार के बीच यह जानकारी सामने आई है कि यह इंजन पूरी तरह से भारत में ही बनने वाला है। मतलब, अमेरिकी कंपनी जीई से जो काम नहीं हो पाया, उसके लिए फ्रांस की कंपनी पूरी तरह से तैयार हो गई है।

बता दें 15 अगस्त को पीएम मोदी ने लाल किले से स्वदेशी जेट इंजन के विकास का आह्वान किया था। उसके बाद फ्रांस से जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, उससे यही अनुमान लगाया जा रहा है कि वह भारत से दोस्ती निभाने के लिए बड़ा कदम उठाने को तैयार है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी स्वदेशी फाइटर जेट के लिए अपने ही देश में इंजन बनाने की बात पर जोर दे चुके हैं। एचटी ने अब एक रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक सफ्रान-जीटीआरई 12 साल में फाइटर जेट इंजन के 9 प्रोटोटाइप विकसित करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शुरू में सफ्रान और जीटीआरई मिलकर 120 केएन पावर क्षमता के जेट इंजन बनाएंगे और शुरुआत से 12 साल के अंदर इसकी क्षमता बढ़ाकर 140 केएन पावर तक ले जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक यह इंजन भारत में ही बनेंगे और इसके लिए सफ्रान, डीआरडीओ को 100 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेगी। इस टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी भी शामिल होगी। वैसे डीआरडीओ के पास क्रिस्टल ब्लेड टेक्नोलॉजी है, लेकिन पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। खास बात यह है कि इस तरह से भारत में जो फाइटर जेट का इंजन बनेंगे उसका बौद्धिक संपदा अधिकार भारत के पास ही रहेगा।

सफ्रान और डीआरडीओ के बीच स्टील्थ फाइटर जेट इंजन को लेकर इस तरह की डील की चर्चा पिछले दो सालों से चल रही है, लेकिन अब सरकार इसको लेकर सक्रिय हो गई है और जल्द ही इसे हरी झंडी मिल सकती है। एएमसीए एक मल्टी-रोल एयरक्राफ्ट होगा, जिसमें दो इंजन होंगे, जिसके लिए 120-140 केएन इंजन बनाए जाने हैं। एएमसीए का विकास और निर्माण निजी क्षेत्र की कंपनियां करेंगी, जिसमें योगदान देने के लिए टाटा ग्रुप, लार्सन एंड टूब्रो और अडानी डिफेंस तैयार हैं।

बता दें आज की तारीख में चीन के पास भी अपने अत्याधुनिक फाइटर जेट के लिए अपना इंजन नहीं है। वह रूसी या रिवर्स इंजीनियर्ड इंजनों के भरोसे काम

कर रहा है। सिर्फ अमेरिका, रूस, यूके और फ्रांस ने ही यह क्षमता हासिल की है। ऐसे में भारत में इस तरह का इंजन निर्माण चीन को चिढ़ा सकता है। हालांकि भारत अपनी कावेरी इंजन पर कई दशक पहले काम शुरू कर चुका है, लेकिन अभी तक इसे पूरी कामयाबी नहीं मिल सकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बालेंद्र शाह ने बताया क्यों ठुकराया नेपाल के पीएम का पद

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल में जेन-जेड प्रदर्शन के बाद अब सुशील कार्की को अंतरिम पीएम बनाया जाएगा। इसके बाद काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह का फेसबुक पोस्ट सामने आया है। उन्होंने अपने ट्वीट में ये भी बताया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद लेने के लिए हामी नहीं भरी थी। बालेंद्र शाह ने पोस्ट में लिखा, प्रिय जेन-जी और सभी नेपालियों से मेरा अनुरोध है कि देश इस समय अभूतपूर्व स्थिति से गुजर रहा है। आप अब एक सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कृपया इस समय घबराएं नहीं; धैर्य रखें। अब देश को एक अंतरिम सरकार मिलने वाली है, जो देश में नए चुनाव कराएगी। इस अंतरिम सरकार का काम चुनाव कराना और देश को एक नया जनादेश देना है। शाह ने आगे लिखा, मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की) को इस अंतरिम/चुनावी सरकार का नेतृत्व सौंपने के आपके प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता हूं। मैं आपकी समझ, बुद्धिमत्ता और एकता का तहे दिल से सम्मान करता हूं। इससे पता चलता है कि आप कितने परिपक्व हैं। मैं अपने उन दोस्तों से, जो इस समय नेतृत्व संभालने की जल्दी में हैं, यही कहना चाहता हूं कि देश को आपके जुनून, आपकी सोच और आपकी ईमानदारी की स्थायी रूप से जरूरत है, अस्थायी रूप से नहीं। इसके लिए चुनाव होंगे। कृपया जल्दबाजी न करें। माननीय राष्ट्रपति जी, जेन-जी की ओर से लाई गई ऐतिहासिक क्रांति की रक्षा के लिए, एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए और संसद को अविलंब भंग किया जाना चाहिए। बालेंद्र शाह ने परोक्ष रूप से फेसबुक पोस्ट में बता दिया है कि क्यों उन्होंने पीएम पद को स्वीकार नहीं किया। दरअसल सुशील कार्की नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनी हैं। इस सरकार का काम होगा जल्द से जल्द चुनाव कराना और तब तक देश में शांति व्यवस्था बनाए रखना। बालेंद्र शाह चाहते हैं कि वह चुनाव जीतकर सत्ता पर काबिज हो, इससे जनता में उनकी पकड़ मजबूत बनी रहेगी।

इस्राइल बोला- यरूशलम हमले के आरोपियों के घर ढहाए जाएंगे

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने यरूशलम में बस स्टॉप पर हुए हमले के मामले में कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने हमले के दोनों आरोपियों, उनके रिश्तेदारों तथा कस्बे के रहने वाले अन्य लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। यही नहीं, हमलावरों के रिश्तेदारों व उनके गांवों के सैकड़ों लोगों का वर्क परमिट भी रद्द किया जाएगा। यरूशलम के बस स्टॉप पर सोमवार को बंदूकधारियों के हमले में छह लोग मारे गए थे, जबकि कई घायल हुए थे। दोनों बंदूकधारी मौके पर ही मारे गए थे। दोनों हमलावर इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के कतन्ना और कुबेइबा कस्बों के रहने वाले थे। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने एक बयान में कहा कि उन्होंने हमलावरों के परिवार के सदस्यों और दोनों कस्बों के बाशिंदों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। दोनों कस्बों में बिना परमिट के बने हर ढांचे को ध्वस्त कर दिया जाएगा।

फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अदालत ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को राहत देते हुए उन्हें फिलहाल फेड गवर्नर पद पर बने रहने का निर्देश दिया है। लिसा कुक को ट्रंप ने बर्खास्त कर दिया था। एक संघीय अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। यह फैसला पारंपरिक रूप से स्वतंत्र रहने वाले फेडरल रिजर्व पर नियंत्रण स्थापित करने के ट्रंप प्रशासन के प्रयासों के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व, कीमतों को स्थिर रखने और रोजगार के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अल्पकालिक ब्याज दरें निर्धारित करता है। ट्रंप ने 25 अगस्त को कुक को बर्खास्त कर दिया था। दरअसल कुक पर आरोप लगा कि उन्होंने साल 2021 में खरीदी गई दों संपत्तियों के संबंध में धोखाधड़ी की थी। हालांकि उस वक्त लिसा कुक फेडरल रिजर्व गवर्नर नहीं थीं। कुक ने इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील की। अदालत में कुक के वकीलों ने तर्क दिया कि कुक को बर्खास्त करना गैरकानूनी था क्योंकि राष्ट्रपति फेड गवर्नरों को केवल किसी ठोस वजह से ही बर्खास्त कर सकते हैं। इन वजहों में पद पर रहते हुए अक्षमता, कर्तव्य की उपेक्षा या दुराचार जैसे आरोप शामिल हैं। लिसा कुक ने अदालत में कहा कि बर्खास्त किए जाने से पहले उन्हें सुनवाई और आरोपों का जवाब देने का मौका मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

पृथ्वी अकेली नहीं, मंगल ग्रह पर भी था जीवन? नासा के रोवर की खोज से हिले वैज्ञानिक

लंदन एजेंसी। लाल ग्रह मंगल पर जीवन की खोज लंबे समय से वैज्ञानिकों का सपना रही है। अब, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने एक ऐसी खोज की है जो इस सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। रोवर द्वारा एकत्रित एक चट्टान के नमूने में प्राचीन सूक्ष्मजीवों के संभावित जीवाश्म या जैविक संकेत मिले हैं, जो मंगल पर अरबों वर्ष पुराने जीवन की ओर इशारा करते हैं। अगर ये खोज सही साबित हो जाती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि पृथ्वी अकेली नहीं है जहां जीवन है। हालांकि, वैज्ञानिक स्पष्ट करते हैं कि यह अभी पुष्टि नहीं हुई है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले 'पर्सिवरेंस' द्वारा वहां एकत्र किए गए नमूनों का पृथ्वी की प्रयोगशालाओं में गहन विश्लेषण जरूरी है। नासा के वैज्ञानिकों ने बुधवार को इस खोज की घोषणा की, जो पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक शोध पत्र पर आधारित है। यह खोज मंगल के जीवन की तलाश में अब तक की सबसे मजबूत संभावना मानी जा रही है। नासा की साइंस मिशन डायरेक्टोरेट की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निक्की फॉक्स ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह हमारे अविश्वसनीय पर्सिवरेंस रोवर की खोज है, जो मंगल पर प्राचीन जीवन की खोज के सबसे करीब पहुंच गई है। वर्ष 2021 से मंगल ग्रह पर घूम रहा यह रोवर सीधे तौर पर जीवन का पता नहीं लगा सकता। इसके बजाय, यह चट्टानों और नलियों में छेद करने के लिए एक ड्रिल लेकर चलता है ताकि अरबों साल पहले जीवन के लिए सबसे उपयुक्त माने गए स्थानों से एकत्र किए गए नमूनों को रखा जा सके। नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाने की प्रतीक्षा है। यह एक महत्वाकांक्षी योजना है, जो नासा द्वारा सस्ते, त्वरित विकल्पों की तलाश के कारण रोक दी गई है। दो वैज्ञानिकों एसईटीआई संस्थान के जेनिस बिशप और मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय के मारियो पेरेंटे ने इसे एक रोमांचक खोज बताते हुए कहा कि इसके लिए गैर-जैविक प्रक्रियाएं जिम्मेदार हो सकती हैं। स्टोनी ब्रूक विश्वविद्यालय के प्रमुख शोधकर्ता जोएल ह्यूरोविट्ज़ ने कहा, यही कारण है कि हम यह नहीं कह सकते कि यह जीवन का सकारात्मक प्रमाण है।

चेयावा फॉल्स चट्टान और उसके रहस्यमयी धब्बे : यह खोज तब हुई, जब पर्सिवरेंस रोवर मंगल के जेरो क्रेटर में एक प्राचीन सूखी नदी घाटी का पता लगा रहा था। क्रेटर मंगल ग्रह के उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, यह कभी एक विशाल झील था जहां नदियां बहती थीं। रोवर ने यहां एक लाल रंग की चट्टान को पाया, जिसका नाम चेयावा फॉल्स रखा गया। इस चट्टान पर अनियमित तेंदुए के धब्बे और छोटे-छोटे पॉपी सीड्स जैसे निशान दिखाई दिए, जो मिलीमीटर आकार के हैं। परिणाम चौंकाने वाले थे- चट्टान में कार्बनिक कार्बन (जीवन का मूलभूत ब्लॉक), आयरन फॉस्फेट और आयरन सल्फाइड से भरपूर खनिज पाए गए। पृथ्वी पर, ये रासायनिक यौगिक तब बनते हैं जब सूक्ष्मजीव जैविक पदार्थों को तोड़ते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये धब्बे प्राचीन माइक्रोबियल गतिविधियों के उप-उत्पाद हो सकते हैं, जो अरबों वर्ष पहले मंगल के गर्म और नम वातावरण में फले-फूले होंगे। जब हम पृथ्वी पर ऐसी विशेषताओं को देखते हैं, तो ये अक्सर सूक्ष्मजीवों के चयापचय का परिणाम होते हैं जो जैविक पदार्थों का सेवन करते हैं। यह चट्टान मंगल पर जीवन की संभावना के लिए सबसे आकर्षक उम्मीदवार है।

मंगल की सतह पर जीवन की तलाश : पर्सिवरेंस रोवर फरवरी 2021 में जेरो क्रेटर में उतरा था। इसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन जीवन के संकेत ढूंढना और नमूने इकट्ठा करना है। रोवर ने अब तक 30 से अधिक नमूने एकत्र किए हैं, जो टाइटेनियम ट्यूबों में बंद हैं। ये नमूने पृथ्वी पर लौटाए जाने के लिए तैयार हैं, लेकिन नासा का सैंपल रिटर्न मिशन अभी अनिश्चित है। वाइट हाउस के बजट कटौती प्रस्ताव के कारण, एजेंसी सस्ते और तेज विकल्प तलाश रही है। रोवर ने जेरो क्रेटर की खोज में ब्राइट एंजेल नामक संरचना का अध्ययन किया, जो नेरेटवा वैली की एक प्राचीन नदी घाटी है। यहां पानी की मौजूदगी के प्रमाण मिले, जो जीवन के लिए आदर्श वातावरण दर्शाते हैं। रोवर के उपकरणों ने मौसम की जानकारी भी एकत्र की है, जो भविष्य के मानव मिशनों के लिए उपयोगी होगी।

ट्रंप की गलतियों से 20 साल पीछे जा सकते हैं भारत-अमेरिका के रिश्ते, यूएस सांसदों की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों और कूटनीतिक गलतियों ने भारत और अमेरिका के बीच 25 साल की मेहनत से बने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है। एक प्रमुख डेमोक्रेट सांसद और कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने चेतावनी दी है कि अगर ये हालात नहीं सुधरे, तो दोनों देशों के बीच की साझेदारी को गहरा नुकसान हो सकता है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल बुलाई गई, जिसमें भारत-अमेरिका रिश्तों की अहमियत को बचाने की आवाज उठी। कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया। इसमें पूर्व अमेरिकी राजदूत रिच वर्मा और एरिक गार्सेटी के साथ-साथ उद्योगपति विनोद खोसला और भारतीय मूल के टेक लीडर्स शामिल हुए। यह कॉल इस बात का सबूत है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय में इस रिश्ते को लेकर कितनी बेचैनी है।

रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी : रो खन्ना ने साफ कहा, मैं ये कॉल तब तक न बुलाता, जब तक बात गंभीर न होती। हमें इस रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी है। खन्ना ने पहले भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो में भारत-अमेरिका रिश्तों में आ रही गिरावट पर चिंता जताई थी। उनकी इस पहल से साफ है कि वो इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। इस कॉल में शामिल पूर्व राजदूतों ने भी हालात की गंभीरता को रेखांकित किया। रिच वर्मा ने कहा कि पिछले दो महीनों में ट्रंप की नीतियों ने 25 साल की मेहनत को मिट्टी में मिला दिया।

बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र : उन्होंने 2000 में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा का जिक्र किया, जब अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान नीति को अलग-अलग करने का फैसला किया था।

मेक्सिको में गैस टैंकर में जोरदार धमाका, तीन की मौत और 70 घायल; 18 वाहन सड़क पर खाक

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको सिटी से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां पर एक प्रमुख राजमार्ग पर एक गैस टैंकर में अचानक ब्लास्ट हो गया। इस धमाके के कारण लोगों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इस घटना में 70 से अधिक घायल हुए हैं। मेक्सिको सिटी की मेयर ने इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। 18 वाहन जलकर हुए खाक बता दें कि मेक्सिको सिटी की मेयर क्लारा ब्रुगाडा ने इस घटना को इमरजेंसी के तौर पर बताया। उन्होंने बताया कि टैंकर में हुए विस्फोट के कारण आसपास मौजूद 18 वाहन जल गए। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से घायल 19 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। सिटी मेयर का कहना है कि इस मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दी गई है। हालांकि, शुरुआती स्थिति को देखते हुए माना जा रहा है कि हाईवे पर ट्रक के पलटने के बाद विस्फोट हुआ।

काश पटेल ने ट्रंप के आगे घुटने टेक दिए, तीन बर्खास्त एफबीआई अधिकारियों ने दायर किया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक मुकदमा दायर करते हुए एफबीआई निदेशक काश पटेल और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी पर आरोप लगाया कि उन्हें पिछले महीने गलत राजनीतिक कारणों से बर्खास्त किया गया। मुकदमे में दावा किया गया है कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रतिशोध अभियान का हिस्सा थी, जिसमें ट्रंप के प्रति पर्याप्त राजनीतिक वफादारी न दिखाने वाले अधिकारियों को निशाना बनाया गया। मुकदमा दायर करने वालों में ब्रायन डिस्कॉल, स्टीव जेनसन और स्पेंसर इवांस शामिल हैं। ये तीनों उन पांच अधिकारियों में से हैं जिन्हें पिछले महीने सेवा से हटाया गया। शिकायत में कहा गया है कि एफबीआई निदेशक काश पटेल

ने खुद स्वीकार किया था कि एजेंटों को उनके द्वारा की गई जांच के आधार पर हटाना संभवतः अवैध है, लेकिन ट्रंप प्रशासन और न्याय विभाग का दबाव इतना अधिक था कि वे रोक नहीं सके। पटेल ने कथित तौर पर डिस्कॉल से कहा था, एफबीआई ने राष्ट्रपति को जेल भेजने की कोशिश की थी और वह इसे भूले नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि पटेल ने शपथ लेने के तहत वादा किया था कि सभी एफबीआई कर्मचारियों को राजनीतिक प्रतिशोध से बचाया जाएगा, लेकिन वास्तविकता में उन्होंने ट्रंप प्रशासन के दबाव में झुकते हुए संविधान और संघीय कानूनों का उल्लंघन किया। ड्रिस्कॉल ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में एक महीने के लिए कार्यवाहक निदेशक रहे। उनको कथित तौर पर एक सैनिक और सम्मानित एजेंट को बर्खास्त करने से इनकार करने के लिए निशाना बनाया गया। जेन्सन को काश पटेल ने ही वाशिंगटन फील्ड कार्यालय का प्रमुख नियुक्त किया था, लेकिन जनवरी 6 हमले से जुड़े मामलों में उनकी भूमिका के कारण उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। मुकदमे में कहा गया है कि पूर्व एजेंट डैन बोंगिनो और अन्य ट्रंप समर्थकों ने सोशल मीडिया पर जेन्सन के खिलाफ अभियान चलाया, जिसके बाद पटेल ने उन्हें कार्य प्राथमिकताओं में देरी का बहाना बनाकर बर्खास्त कर दिया। इवांस को कोविड-19 महामारी के दौरान एफबीआई के मानव संसाधन विभाग में वैक्सीन छूट अनुरोधों की समीक्षा करने के लिए निशाना बनाया गया, जहां एक पूर्व एजेंट ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ शिकायतें कीं और पटेल तक पहुंच बनाए रखी। मुकदमे में ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे स्टेफन मिलर (मुख्य घरेलू नीति सलाहकार) और पूर्व कार्यवाहक उप-महान्यायवादी एमिल बोवे का भी जिक्र है, जिन्होंने कथित तौर पर ट्रंप-विरोधी जांचों में शामिल एजेंटों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। वकीलों का कहना है कि इस बर्खास्तगी ने न केवल अधिकारियों के करियर पर चोट पहुंचाई है, बल्कि उनके भविष्य के रोजगार के अवसर भी सीमित कर दिए हैं।

गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे, चार्ली किर्क की हत्या पर ट्रंप का फूटा गुस्सा; किसे ठहराया हमले का जिम्मेदार?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने यूटा वैली विश्वविद्यालय में अपने सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या पर गहरा दुख और गुस्सा जताया। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि उनका प्रशासन इस अत्याचार और अन्य प्रकार की राजनीति में शामिल हर एक शख्स को न्याय के कठघरे में पहुंचाएगा। चार्ली किर्क की हत्या पर क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक वीडियो पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सालों से, कट्टरपंथी वामपंथी चार्ली जैसे अद्भुत अमेरिकियों की तुलना नाज़ियों और दुनिया के सबसे बुरे सामूहिक हत्यारों और अपराधियों से करते रहे हैं। इस वीडियो संदेश में उन्होंने किर्क की हत्या को जघन्य और अमेरिका के लिए एक काला क्षण बताया।

ट्रंप ने इस हत्या के लिए किसे ठहराया जिम्मेदार : अपने वीडियो संदेश में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल बटलर, पेंसिल्वेनिया में मेरे जीवन पर हुए हमले से लेकर आईसीई एजेंटों पर हमले, न्यूयॉर्क की सड़कों पर एक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी की नृशंस हत्या, और सदन के बहुमत नेता स्टीव स्कैलिस और तीन अन्य की गोली मारकर हत्या तक। कट्टरपंथी वामपंथी राजनीतिक हिंसा ने बहुत से निर्दोष लोगों को चोट पहुंचाई है और बहुत से लोगों की जान ली है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि कट्टरपंथी वामपंथियों की बयानजाबी अमरिका में आतंकवादक के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इसको तुरंत रोकना होगा।

कानून के कठघरे में लाए जाएंगे के सभी आरोपी : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा प्रशासन उन सभी लोगों को ढूंढ निकालेगा जिन्होंने इस अत्याचार और अन्य राजनीतिक हिंसा में योगदान दिया है, जिनमें वे संगठन भी शामिल हैं जो इसे वित्तपोषित और समर्थित करते हैं, साथ ही वे लोग भी जो हमारे न्यायाधीशों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और हमारे देश में व्यवस्था बनाए रखने वाले अन्य सभी लोगों के पीछे पड़े हैं।

पार्टनर के लिए छोटी होने की चाहत, हाइट कम करने को महिलाएं करवा रही हैं सर्जरी

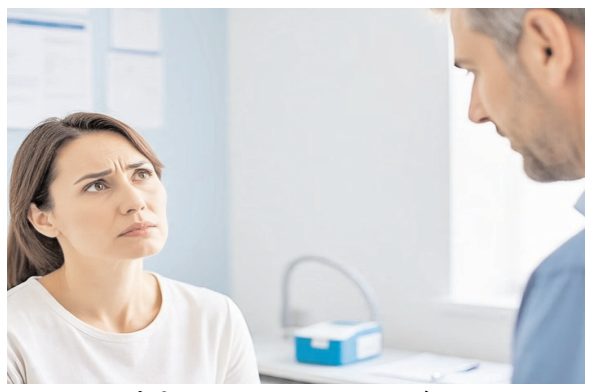

इस्तांबुल , एजेंसी। अब तक आपने पुरुषों के लेग-लेंथनिंग सर्जरी (ऊंचाई बढ़ाने) की खबरें खूब सुनी होंगी, लेकिन तुर्की में अब महिलाओं के बीच ठीक उलटा चलन सामने आया है। लिंब-शॉर्टनिंग सर्जरी यानी जान-बूझकर कद कम करवाना। क्या है वजह? प्यार और रिलेशनशिप में रहने वाली लड़कियों और महिलाओं को ज्यादा लंबी दिखने में झिझक होने लगी है। इसलिए वे ऐसा करवा रही हैं। डॉक्टर जांघ या पिंडली की हड्डी को काटकर उसका कुछ हिस्सा निकाल देते हैं। बची हुई हड्डी को स्टील रॉड से जोड़ा जाता है। जांघ की लंबाई अधिकतम 5.5 सेंटीमीटर और पिंडली की लंबाई लगभग 3 सेंटीमीटर तक कम की जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक महिला ने अपना कद 172 सेमी (5 फिट पौने 8 इंच) से घटाकर 167.9 सेमी (5 फिट 6 इंच) करवा लिया। इस्तांबुल की कई क्लीनिक इस सर्जरी को लक्जरी पैकेजमें बेच रही हैं। इसमें अस्पताल में भर्ती, शहर की सैर, रेस्तरां डिनर और यहां तक कि बोट राइड भी शामिल हैं। लेकिन सर्जरी के बाद की हकीकत बेहद दर्दनाक होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महीनों तक रिकवरी में लग जाती हैं। कई बार व्हीलचेयर पर रहना पड़ता है। हफ्ते में 4-5 दिन फिजियोथेरेपी करवानी पड़ती है। इसके कई गंभीर खतरे भी हैं। जैसे कि नसों को नुकसान, हड्डियों में इंफेक्शन, मांसपेशियों की कमजोरी और कभी-कभी टूटी हड्डी का न जुड़ पाना भी होता है।

क्यों चाहती हैं महिलाएं छोटा कद : इस्तांबुल में इसे हाइट पॉलिटिक्स कहा जाता है। ज्यादातर पुरुष छोटी कद की महिला साथी पसंद करते हैं, जबकि महिलाएं लंबे पुरुषों को प्राथमिकता देती हैं। ऐसे में अपेक्षाकृत लंबी महिलाएं डेटिंग गैप महसूस करती हैं और कद घटाने तक के कदम उठा रही हैं। आपको यह भी बता दें कि एक शोध में लंबे कद की महिलाओं में एंडोमेट्रियोसिस और कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम अधिक पाया गया है।

अगला नंबर आपका, छोड़ने वाला नहीं इजरायल; डर और बौखलाहट में हिजबुल्ला ने खाड़ी देशों को चेताया

बेरूत , एजेंसी। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के नेता ने बुधवार को कहा कि कतर पर इजरायल का हमला खाड़ी देशों के लिए एक चेतावनी है कि अगर क्षेत्र में चमरपंथी समूहों की हार हुई तो भविष्य में उन्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। कतर की राजधानी दोहा में फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के राजनीतिक नेतृत्व पर इजरायल के हमले के बाद हिज्बुल्ला के नेता नईम कासिम ने यह टिप्पणी की है। कतर की सरकार गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने में एक मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रही है। हमास ने कहा है कि इजराइली हमले में उसके पांच सदस्यों की मौत हुई है। जबकि कतर के एक सुरक्षा अधिकारी की भी जान चली गई है। कासिम ने कहा, हम कतर के साथ हैं जिस पर आक्रमण हुआ है और हम फलस्तीनी प्रतिरोध का भी समर्थन करते हैं।

ग्रेटर इजरायल स्थापित करने की कोशिश : उन्होंने कहा कि यह हमला मध्य एशिया के एक बड़े हिस्से पर ग्रेटर इजरायल स्थापित करने के इजरायल के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने इजरायल से सामान्य संबंध रखने वाले बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के देशों की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर प्रतिरोध करने वालों को दुश्मन हरा देता है तो अगला नंबर आपका होगा।

दोहा में हमास के ठिकानों पर हमले : बता दें कि मंगलवार को इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में हमास के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। माना जा रहा है कि इजरायल का यह हवाई हमला हमास को बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत करने के लिए मजबूर करने में कारगर साबित हो सकता है। दोहा में इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के हमलों ने आतंकवादी समूह हमास के उन नेतृत्व को खत्म कर दिया है जिसने 7 अक्टूबर 2023 को हुए नरसंहार की योजना बनायी थी और जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जीवित बचे एकमात्र हमास नेता खालिद मशाल हैं क्योंकि वह दोहा परिसर में मौजूद नहीं थे जहां हमला हुआ था।

हमास आतंकियों को बंगले और पैसे दे रहा है कतर : नेतन्याहू ने कहा कि 11 सितंबर के हमले के तुरंत बाद अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया था। इसमें कहा गया था कि कोई भी आतंकियों को शरण न दे और वे जहां भी होंगे, वहीं पर मारा जाएगा। इजरायली पीएम ने कहा कि हम भी उसी नीति पर काम कर रहे हैं। हमास के आतंकी जहां भी होंगे, हम उन्हें मार गिराएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कतर की ओर से हमास के आतंकियों को पाला जा रहा है। उनके लोगों को बंगले दिए जा रहे हैं और पैसे दिए जा रहे हैं। इसी रकम से वे इजरायल के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं।

'लादेन को मारने पर करते थे अमेरिका की तारीफ, हम पर क्यों भड़के' : इजरायल के नेता ने कहा, हम वही कर रहे हैं, जो अमेरिका ने किया था। जैसे उन्होंने अफगानिस्तान में घुसकर अलकायदा के आतंकी मारे थे और पाकिस्तान में बिन लादेन को ढेर किया था। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि जिन देशों ने लादेन को मारे जाने पर अमेरिका की सराहना की थी, वे हमारे ऐक्शन पर निंदा कर रहे हैं। बता दें कि दोहा में हमले से कतर समेत तमाम मुस्लिम देश भड़के हुए हैं। कतर का कहना है कि हमारी राजधानी में हमला करना संप्रभुता के खिलाफ है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

BRTS बस में युवक-युवती की अश्लील हरकत का Video Viral

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर सूरत की BRTS बस में युवक-युवती अश्लील हरकतें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो को लेकर शहर में भारी आक्षेप और चर्चाएँ उठीं। हालांकि, सूरत महानगरपालिका के वाहन परिवहन चेयरमैन सोमनाथ मराठे ने तत्काल जांच कर यह स्पष्ट किया कि यह वीडियो सूरत का नहीं है और BRTS बस में ऐसी कोई घटना हुई ही नहीं।

मराठे ने कहा, हमने CCTV फुटेज और रिकॉर्ड चेक किए, लेकिन कोई सबूत नहीं मिला। यह किसी अन्य शहर का पुराना वीडियो है, जिसे गलत तरीके से सूरत से जोड़कर वायरल किया गया है।

BRTS बस की पिछली सीट पर बैठकर अश्लील हरकत करते प्रेमी युगल का वीडियो सामने आने के बाद जन परिवहन समिति के अध्यक्ष ने सिटी लिंक की बसों में विशेष सतर्कता बरतने के लिए डिप्टी कमिश्नर को लिखित मांग की थी। उन्होंने हाल ही में BRTS बस में हुई डीजे पार्टी के विवाद के मुद्दे पर भी कार्रवाई न होने पर अगले 3 दिनों में जांच रिपोर्ट पेश करने की ताकीद की थी।

समिति अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने बताया कि सिटी लिंक में जांच करने पर यह वीडियो गुजरात के बाहर का पाया गया। इसके बावजूद ऐसे कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस मुद्दे पर सिटी लिंक के डिप्टी कमिश्नर को लिखित में प्रस्तुतिकरण करके जिम्मेदारी तय करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया से फंसाया था प्रेमजाल में

युवती को शादी का झांसा देकर तीन साल तक संबंध बनाए और छोड़ दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा इलाके में रहने वाली एक युवती को सोशल मीडिया के जरिए बर्डोली के एक युवक ने प्रेमजाल में फंसाया। शादी का लालच देकर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर तीन साल तक शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इंकार कर दिया। इसके चलते प्रेमी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज हुआ है।

घटना की पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बर्डोली रोड, मोटा गांव, श्री वीला सोसायटी में रहने वाला निखिल संभाजी पाटिल वर्ष 2022 में सोशल मीडिया के माध्यम से पांडेसरा की 26 वर्षीय युवती के संपर्क में आया था। इसके बाद निखिल ने युवती से बातचीत शुरू की और दोस्ती बढ़ाई।

इस दौरान निखिल जून 2022 में पहली बार युवती के घर आया था। वहां उसने युवती को प्रपोज करते हुए कहा कि वह उससे प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। इसके बाद निखिल बार-बार प्यार की बातें करके युवती का विश्वास जीतने लगा।

शादी का लालच देकर उसने पहली बार युवती के कमरे में शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद निखिल बार-बार उससे शारीरिक संबंध बनाकर अपनी हवस पूरी करता रहा। इस दौरान जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो निखिल उसे शादी का आश्वासन देकर महाराष्ट्र ले गया और करीब चार महीने तक पत्नी की तरह रखकर शारीरिक संबंध बनाता रहा।

'राम राखे उसे कौन चाखे' कहावत को सार्थक करता

सूरत में 3 साल की बच्ची स्कूल वैन के आगे पहुंच गई ड्राइवर ने वैन बढ़ाई तो दोनों टायर बच्ची पर चढ़ गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के जहांगीरपुरा इलाके स्थित सुमन वंदन पी-2 सोसायटी में सोमवार को एक हृदयविदारक और चमत्कारिक घटना घटी। एक 3 साल की बच्ची चलते-चलते अचानक स्कूल वैन के सामने आ गई और वैन के पहिए उसके ऊपर से गुजर गए। इस हादसे में बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई और उसे केवल मामूली चोटें आईं। पूरी घटना वहां लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई, जिसे देखकर बच्ची के माता-पिता समेत सभी लोग दंग रह गए।

यह घटना 8 सितंबर को हुई थी। बच्ची अचानक चलते-चलते स्कूल वैन के सामने खड़ी हो गई। उस समय ड्राइवर का ध्यान बच्ची पर नहीं गया और उसने वैन आगे बढ़ा दी। देखते ही देखते बच्ची पर वैन के दोनों पहिए चढ़ गए।

ये भयावह दृश्य CCTV में भी साफ दिखाई दिए।

लेकिन इसे किस्मत का करिश्मा कहें या चमत्कार, वैन के टायर शरीर पर चढ़ने के बावजूद बच्ची को कोई गंभीर चोट नहीं लगी।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत शुक्रवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की इस अवसर पर समारोह अध्यक्ष के रूप में सांवरप्रसाद बुधिया उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके की गयी। इसके पश्चात ट्रस्ट की महिला शाखा द्वारा सनातन धर्म, विज्ञान, संस्कृति एवं आध्यात्मिकता पर अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

जयंती महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य स्पॉन्सर राकेश सरावगी के अलावा अग्रवाल विकास ट्रस्ट के सचिव अनिल शोरेवाला, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सहसचिव दिनेश बंसल, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक), कल्चरल समिति मार्गदर्शक अर्जुनदास अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, राजीव गुप्ता, नीरज अग्रवाल, कपीश खाटूवाला, युवा शाखा अध्यक्ष अंकित झुनझुनवाला, महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें। ट्रस्ट द्वारा 22 सितंबर को महाराजा अग्रसेन जी की जयंती मनाई जाएगी एवं जयंती महोत्सव का समापन 27 सितम्बर को होगा। इस दौरान ट्रस्ट द्वारा अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलों का आयोजन किया जायेगा। जयंती महोत्सव में शनिवार एवं रविवार को सर्कस थीम पर हाऊजी का आयोजन किया जाएगा।

एसीबी ने डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को रिश्वत लेते पकड़ा

ऑफिस की दराज से 70 हजार नकद बरामद, दो मकानों में सर्च ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) द्वारा सूरत में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत एक और सफल कार्रवाई की गई है। इच्छापोर GIDC में कार्यरत और 1.30 लाख रुपये मासिक वेतन पाने वाले डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर परिमल खंडुभाई पटेल को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि ACB की जांच में आरोपी के ऑफिस के टेबल की दराज से रिश्वत की रकम के अलावा 70,000 रुपये नकद और मिले।

जब ACB की टीम ने परिमल पटेल को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया और उनके ऑफिस की तलाशी ली, तो दराज से अतिरिक्त 70,000 रुपये नकद बरामद हुए। यह रकम किस मकसद से रखी गई थी और इसका स्रोत क्या है? इसकी जांच चल रही है। संदेह है कि यह रकम भी किसी और भ्रष्टाचार से जुड़ी हो सकती है, जिसे लेकर ACB गहराई से जांच कर रही है।

आरोपी परिमल पटेल, जो वर्ग-2 के अधिकारी हैं, उन्होंने एक शिकायतकर्ता से उसके दो औद्योगिक प्लॉट पर बने पुराने शेड्स को तोड़ने की अनुमति देने के बदले 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता रिश्वत देना नहीं चाहता था, इसलिए उसने तुरंत ACB से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर पुलिस इंस्पेक्टर के. जे. धड़ुक और उनकी टीम ने जाल बिछाया और 11 सितंबर 2025 को परिमल पटेल को ऑफिस में ही रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

ऑफिस से 70,000 रुपये नकद मिलने के बाद, ACB की टीम ने आरोपी की संपत्ति का विवरण जुटाकर सूरत के अडाजन और जिले के वालोड स्थित उनके दो मकानों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया। इस सर्च का मुख्य उद्देश्य उनकी बेनामी और disproportionate संपत्ति के स्रोतों का पता लगाना है। फिलहाल ACB ने परिमल पटेल के बैंक लॉकर पर भी फोकस किया है ताकि भ्रष्टाचार की जड़ों तक पहुंचा जा सके। पूरे केस की निगरानी सहायक निदेशक आर. आर. चौधरी कर रहे हैं और आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे होने की संभावना है।

सूरत सिविल में महिला पर मरीज के परिजन का हमला

सफाई के दौरान कर्मचारी से मारपीट वर्ग 4 के सभी कर्मचारी पुलिस स्टेशन पहुंचे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के नई सिविल अस्पताल में फिर एक बार विवाद खड़ा हो गया है। ट्रॉमा सेंटर में ड्यूटी पर तैनात एक चौथी श्रेणी की महिला सफाई कर्मचारी पर मरीज के परिजन द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद महिला समेत सभी कर्मचारियों ने तत्काल काम बंद कर पुलिस चौकी का रुख किया और चेतावनी दी कि जब तक पुलिस शिकायत दर्ज नहीं करेगी, तब तक वे धरने पर बैठेंगे।

इस घटना की जानकारी देते हुए सफाई कर्मचारी कल्पनाबेन ने बताया कि वे ट्रॉमा सेंटर में सफाई का काम कर रही थीं। उस दौरान एक मरीज का परिजन वहां से गुजरना चाहता था, जिसे उन्होंने मना किया। इसके बावजूद वह व्यक्ति उसी रास्ते से गुजरा और लौटते समय भी वहीं से आया। जब कल्पनाबेन ने उसे दूसरी तरफ से चलने के लिए कहा तो वह व्यक्ति भड़क गया और गाली-गलौज कर मारपीट करने लगा। इस हमले में कल्पनाबेन को खून भी निकल आया।

उस समय आरोपी व्यक्ति के साथ उसकी पत्नी भी मौजूद थी। कल्पनाबेन ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के समय वहां एक भी सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था, जिसके कारण वे असहाय हो गईं।

इस घटना के बाद कल्पनाबेन सहित अन्य चौथी श्रेणी के कर्मचारियों ने तुरंत काम बंद कर दिया और पुलिस चौकी पहुंच गए। कल्पनाबेन ने कहा कि जब तक पुलिस इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं करती और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे पुलिस चौकी के बाहर बैठे रहेंगे। इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। चौथी श्रेणी के कर्मचारियों ने पहले भी कई बार अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है।

विकास के खोखले दावों के साथ भाजपा शासकों के राज में सूरत "खड्डा सिटी" बन गया है : विपक्ष

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में बारिश की शुरुआत के साथ ही सड़कों पर गड्ढों का दौर शुरू हो गया है। अब तक पत्र लिखकर या सोशल मीडिया पर विरोध जताने वाले विपक्ष अब सड़कों पर उतर आया है। देर से जागे विपक्ष ने "खड्डा चारों ओर है, भाजपा वाले चोर हैं" जैसे नारे लगाते हुए पदयात्रा निकाली और भाजपा शासकों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए।

सूरत शहर में हर साल की तुलना में इस साल सड़कों के टूटने की समस्या और भी बढ़ गई है, जिससे जनता परेशान हो उठी है। इस स्थिति में निगम के विपक्ष ने गिन-चुनकर विरोध तो किया, लेकिन वह सिर्फ सोशल मीडिया या निगम में पत्र लिखने तक ही सीमित रहा। अब निगम की टर्म पूरी होने में कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में विपक्ष और ज्यादा सक्रिय हो गया है। विपक्ष के पूर्व नेता धर्मेश भंडेरी अब शहर अध्यक्ष बन गए हैं, इसलिए उन्होंने विपक्षी नेता और अन्य नेताओं के साथ मिलकर गड्ढों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट भाजपा के राज में सूरत "स्मार्ट सिटी" सिर्फ नाम की रह गई है, जबकि सूरत "खड्डा सिटी" बन गया है। भाजपा शासकों ने करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार करके सूरत को नरकागार में धकेल दिया है। भाजपा शासक विकास के खोखले दावे करते हैं, जबकि सूरत में सिर्फ गड्ढों का साम्राज्य है। सूरत की एक भी सड़क ऐसी नहीं है जहाँ गड्ढे न दिखाई देते हों। इन आरोपों के साथ विपक्ष ने पाटिया से सहारा दरवाजा तक पदयात्रा निकाली।

सूरतियों को श्राद्ध पक्ष में पितृवास के लिए अब कौवे और गाय ढूँढने के लिए पुलों और गौशालाओं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मेट्रो सिटी की ओर दौड़ते सूरत में शहरीकरण का असर हिंदू धर्म के इस महत्वपूर्ण पर्व श्राद्ध पक्ष पर भी दिखाई दे रहा है। अपार्टमेंट जैसी ऊँची-ऊँची इमारतों और बिना डालियों वाले पेड़ों के कारण अब कौवे रिहायशी इलाकों से दूर हो गए हैं। वहीं, आवारा मवेशियों के खिलाफ पालिका की सख्त कार्रवाई के चलते घर-आँगन में गाय भी दिखाई नहीं देती। ऐसी स्थिति में श्राद्ध पक्ष के दौरान गाय को वास (भोजन) खिलाने के लिए लोगों को गौशालाओं और कौवों को वास देने के लिए Tapi नदी के पुल तक जाना पड़ रहा है।

सूरत में श्राद्ध पक्ष शुरू हुए छह दिन हो गए हैं और लोग अपने पितरों को तृप्त करने के लिए कौवा वास और गाय-कुत्ते को वास दे रहे हैं। शहर मेट्रो सिटी की ओर बढ़ रहा है, फिर भी पितरों की पुण्यतिथि पर वास देने की परंपरा आज भी कायम है। पहले सूरतवासी घर की छत या आँगन में कौवों को वास देते थे, लेकिन अब सूरत कंक्रीट के जंगल में बदल गया है। यहाँ बड़ी संख्या में अपार्टमेंट्स खड़े हो गए हैं। पालिका वृक्षारोपण तो करती है लेकिन ऐसे पेड़ कम ही होते हैं जिन पर पक्षी या जानवर घोंसले बना सकें। इसी वजह से अब घर के आसपास कौवा दिखाई देना मुश्किल हो गया है।

श्राद्ध पक्ष में लोग घर पर दूध-पूरी और अन्य भोजन बनाकर पितरों को तृप्त करने के लिए पहला वास कौवे को, दूसरा कुत्ते को और तीसरा गाय को खिलाते हैं। उसके बाद स्वयं श्राद्ध का भोजन ग्रहण करते हैं। कुत्तों को वास खिलाना तो आसान हो गया है, लेकिन आवारा मवेशियों को पकड़ने की पालिका की कार्रवाई से अब घर के पास गाय मिलना मुश्किल हो गया है। इस कारण लोगों को श्राद्ध के दिनों में गाय को भोजन देने के लिए गौशाला जाना पड़ रहा है।

इसी तरह घर के आसपास अब कौवे भी कम दिखाई देते हैं। Tapi नदी के पुलों पर कौवे बड़ी संख्या में मिलते हैं, इसलिए लोग वहाँ पहुँचकर कौवा वास दे रहे हैं। परिणामस्वरूप पुल की रेलिंग पर दूध-पूरी की कई थालियाँ और दलीए दिखाई देने लगे हैं।

इस प्रकार समय के साथ श्राद्ध पक्ष में पितरों को तृप्त करने के लिए सूरतियों को अपने घर से दूर जाना पड़ रहा है।

बीएमयू में स्टूडेंट वेलफेयर सेल का ओरिएंटेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,भगवान महावीर विश्वविद्यालय (बीएमयू) सूरत द्वारा स्टूडेंट वेलफेयर सेल का ओरिएंटेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरुवार को प्रात: 11:00 बजे सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नव नियुक्त सदस्यों का स्वागत एवं उनके साथ संवाद करना था। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. निर्मल शर्मा उपस्थित रहें।

आयोजन में डीन - स्टूडेंट वेलफेयर एवं प्रभारी निदेशक, बीएमसीसीएमएस डॉ. चेता देसाई ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया और आने वाले समय में छात्रहित में आयोजित होने वाली योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की।